RAJHIN/2016/70516
Bhilwara/171/2026-2028
सच्चाई से रूबरू
smarthalchal.com
स्मार्ट हलचल
वर्ष-10 अंक- 247 भीलवाड़ा, सोमवार, 05 मार्च 2026 पृष्ठ-04 मूल्य-04 रूपये

विश्व युद्ध की आहट? ईरान-इजरायल जंग में नाटो की एंट्री, तुर्की सीमा पर ईरानी मिसाइलें ढेर

▪ स्मार्ट हलचल

मिडल ईस्ट डेस्क। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब एक विनाशकारी वैश्विक युद्ध की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। इजरायल और अमेरिका के बाद अब दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य गठबंधन नाटो (NATO) भी इस युद्ध में सीधे तौर पर कूदता नजर आ रहा है। ताजा घटनाक्रम में, तुर्की की सीमा के समीप ईरानी मिसाइल हमलों को नाटो के एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया है, जिससे क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुँच गया है।

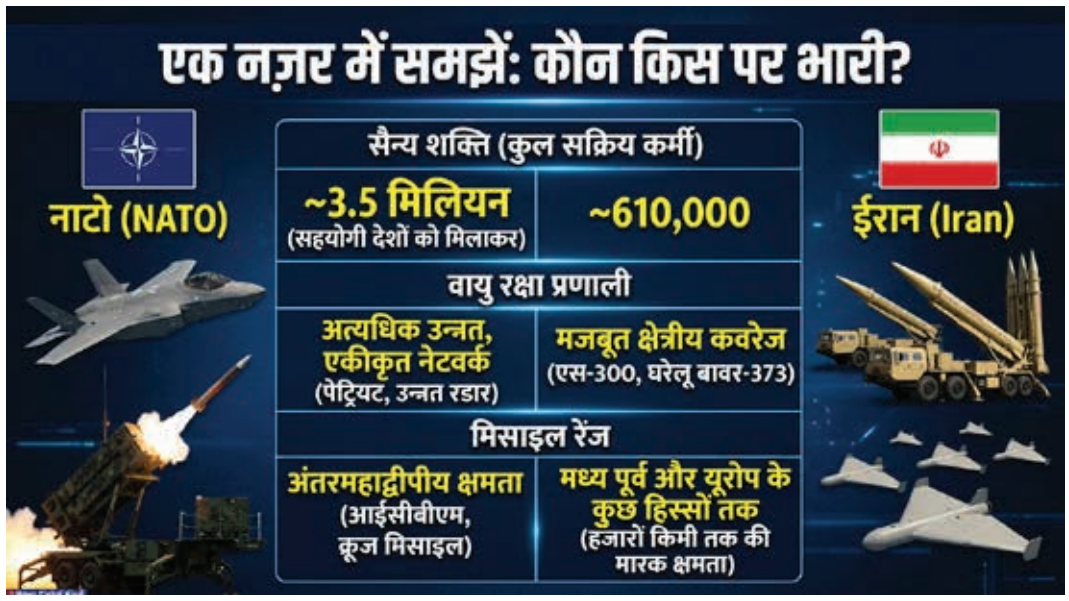

तुर्की की सुरक्षा के लिए नाटो ने सक्रिय किया सुरक्षा घेरा

सूत्रों के अनुसार, ईरान ने क्षेत्र में मौजूद अपने ठिकानों से मिसाइलें दागी थीं, जिनका रुख तुर्की की सीमा की ओर बताया जा रहा था। नाटो के रडार ने इन खतरों को तुरंत भांप लिया और सदस्य देश तुर्की की संप्रभुता की रक्षा के लिए अपने अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम से इन्हें हवा में ही नष्ट कर दिया। नाटो का यह कदम इस मायने में महत्वपूर्ण है क्योंकि तुर्की इस सैन्य संगठन का अहम सदस्य है और नाटो के चार्टर के अनुच्छेद-5 (Article 5) के तहत एक सदस्य पर हमला, सभी पर हमला माना जाता है।

यूक्रेन के बाद अब मिडिल ईस्ट बना नया मोर्चा

इस हस्तक्षेप के साथ ही पश्चिम एशिया का युद्ध अब द्विपक्षीय न रहकर बहुपक्षीय हो गया है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नाटो सीधे तौर पर ईरान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई में शामिल होता है, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इससे पहले अमेरिका और इजरायल पहले से ही ईरानी समर्थित समूहों (हिजबुल्ला और हमास) के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं, लेकिन नाटो की सक्रियता ने रूस और चीन को भी इस मामले में अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर कर दिया है।

ईरान की जवाबी चेतावनी

वहीं, दूसरी ओर तेहरान (ईरान) ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। ईरानी सैन्य कमांडरों का कहना है कि वे किसी भी विदेशी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करेंगे और यदि नाटो या कोई अन्य बाहरी शक्ति उनके अभियानों में बाधा डालती है, तो वे अपने हमले का दायरा और अधिक व्यापक कर सकते हैं।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष के बीच भारत ने स्थापित किया विशेष नियंत्रण कक्ष

ईरान पर अमेरिका-इजरायल के बढ़ते हमलों के बीच अपने नागरिकों की मदद के लिए भारत ने नई दिल्ली में एक विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बुधवार को यह जानकारी दी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र की मौजूदा स्थिति को देखते हुए विदेश मंत्रालय में एक विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है।"

एमईए के अनुसार, यह नियंत्रण कक्ष सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक (भारतीय समयानुसार) संचालित होगा। नागरिक टोल-फ्री नंबर 1800118797 या लैंडलाइन नंबर +91-11-23012113, +91-11-23014104, +91-11-23017905 के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

विदेश मंत्रालय ने अलग-अलग देशों के लिए आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए। इनमें बहरीन में +973 39418071, ईरान में +98 9128109115, +98 9128109102, +98 9128109109, +98 9932179359 पर संपर्क किया जा सकता है। इराक में +964 7716511185 और +964 7704444899, इजरायल में +972 547520711 और +972 542428378, जॉर्डन में +962 770422276, कुवैत में +965 65501946, लेबनान में +961 76860128, ओमान में +968 98282270 (व्हाट्सऐप) और 80071234 (टोल फ्री) नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

इसके अलावा, कतर के लिए +974 55647502, रामल्लाह (फिलिस्तीन) के लिए +970 592916418 (टोल फ्री), सऊदी अरब (रियाद) के लिए +966 114884697 और 8002471234 (टोल फ्री), सऊदी अरब (जेद्दा) के लिए +966 126648660 और +966 122614093, संयुक्त अरब अमीरात के लिए +971 543090571 (व्हाट्सऐप) और 80046342 (टोल फ्री) नंबर जारी किए गए हैं।

गौरतलब है कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ संयुक्त रूप से कार्रवाई की है। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत कई प्रमुख लीडर और सैन्य अधिकारी मारे गए हैं। इसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए कई देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया, इनमें बहरीन व कुवैत से लेकर संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिडिल ईस्ट की स्थिति को लेकर अपनी चिंता जाहिर कर चुके हैं। उन्होंने सोमवार को कहा कि भारत क्षेत्र के सभी देशों के साथ मिलकर अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम करता रहेगा। पीएम मोदी ने कहा, "दुनिया भर में जारी कई तनावों पर भारत का रुख स्पष्ट है। हमने हमेशा शांति और स्थिरता बनाए रखने का आह्वान किया है, और जब दो लोकतंत्र एक साथ खड़े होते हैं, तो शांति के लिए आवाज और मजबूत होती है।

बिहार की राजनीति में बड़ा उलटफेर: नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना तय, जल्द करेंगे नामांकन

मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने और दिल्ली की राजनीति में सक्रिय होने की चर्चाएं तेज; जेडीयू और एनडीए खेमे में हलचल

पटना (ब्यूरो)। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के सर्वोच्च नेता नीतीश कुमार अब नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में छाईं तमाम अटकलों को पीछे छोड़ते हुए अब यह लगभग साफ हो गया है कि नीतीश कुमार राज्यसभा जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, उनके नामांकन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और वे जल्द ही अपना पर्चा दाखिल करेंगे।]

दिल्ली की राजनीति में सक्रिय होंगे नीतीश?

नीतीश कुमार के इस कदम को बिहार की राजनीति के एक बड़े युग के अंत और राष्ट्रीय राजनीति में एक नई शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय तक बिहार के मुख्यमंत्री रहने के बाद नीतीश कुमार का अचानक राज्यसभा जाने का फैसला कई राजनीतिक संकेत दे रहा है। चर्चा है कि केंद्र सरकार में उन्हें कोई बड़ी और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है या वे एनडीए के भीतर किसी खास मिशन पर दिल्ली में सक्रिय होंगे।

कौन होगा बिहार का अगला उत्तराधिकारी?

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबर के साथ ही अब पटना से लेकर दिल्ली तक सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि बिहार की कमान किसके हाथों में होगी? क्या जेडीयू से ही कोई नया चेहरा मुख्यमंत्री बनेगा या फिर बीजेपी के साथ मिलकर किसी नए सत्ता समीकरण पर मुहर लगेगी? हालांकि, आधिकारिक तौर पर अभी तक उत्तराधिकारी के नाम पर कोई बयान सामने नहीं आया है।

नामांकन की तिथि पर टिकी निगाहें:

पार्टी सूत्रों का कहना है कि नामांकन को लेकर आलाकमान और सहयोगियों के साथ अंतिम दौर की चर्चा हो चुकी है। आगामी कुछ दिनों में नीतीश कुमार विधान परिषद की सदस्यता से त्यागपत्र देकर राज्यसभा के लिए अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं। इस खबर ने न केवल बिहार बल्कि देशभर के विपक्षी और सत्ता पक्ष के नेताओं को चौंका दिया है।

दिल्ली के सदर बाजार में आग, मिला जला हुआ शव

▪ स्मार्ट हलचल

होली के दिन ही दिल्ली में आग की सूचना मिली थी. फायर सर्विस ऑफिसर डीओ मनीष कुमार ने जानकारी दी कि शाम 4.45 पर उन्हें कॉल आई थी. पता लगा था सदर बाजार के नजदीकी फायर स्टेशन तेलीवाड़ा से पहली गाड़ी भेजी गई. यहां आकर फायर कर्मियों ने जायजा लिया तो मालूम हुआ कि आग तीव्र थी. इसलिए आग की कैटेगरी बढ़ाई. आसपास के स्टेशंस से गाड़ियां बुलाई गईं. मौके पर 16 फायर ट्रक पहुंचे जो आग बुझाने में लगे हैं.

दुकान से एक व्यक्ति का जला हुआ शव मिला है. धुआं बहुत ज्यादा है इसलिए अभी कुछ कहा नहीं जा सकता. आगे की कार्रवाई की जा रही है.

इंदौर के हवाई अड्डे के परिसर में घास वाले मैदान में आग लगने की खबर सामने आई है.

फायर डिपार्टमेंट ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया.

मध्य प्रदेश के इंदौर इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर में आग की खबर है. होली पर यानी बुधवार, 4 मार्च को सूचना मिली कि एयरपोर्ट परिसर में घास वाले मैदान पर अचानक आग लग गई है. जानकारी मिलते ही फायर डिपार्टमेंट की टीम मौके पर पहुंची और आग को काबू में किया. राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है.

फायर सब इंसपेक्टर रूपचंद पंडित ने बताया, 'हमें सूचना मिली है कि इंदौर हवाई अड्डे के अंदर घास वाले परिसर में आग लग गई है. आग बुझाने के प्रयास जारी हैं और अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है.'

गौशाला के तारबंदी करते दो पक्षों में हुआ विवाद, पांच घायल, जेसीबी व चार बाइक जब्त

▪ स्मार्ट हलचल

सवाईपुर :- क्षेत्र के आमा ग्राम पंचायत के कालिरड़िया गांव में मंगलवार सायं को गौशाला के तारबंदी करते समय रास्ते को लेकर दो समुदायों में बीच हुई बोलचाल ने मारपीट का रुप ले लिया, इस मारपीट में दोनों पक्षों से पांच जने घायल हो गए, इतना ही नहीं समुदाय विशेष के लोगों पर तारबंदी कर रहे लोगों के ऊपर जेसीबी मशीन से भी

जानलेवा हमला करने का आरोप भी लगा है । सूचना पर पहुंची बड़लियास थाना पुलिस को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा, मामला बढ़ता देख आसपास के अन्य थानो का अतिरिक्त जाप्ता बुलाना पड़ा । बड़लियास थाना प्रभारी मुन्नीराम चोयल ने बताया कि मंगलवार सायं को थाना क्षेत्र के कालिरड़िया गांव में बालाजी गौशाला के निर्माण को लेकर तारबंदी कर रहे थे, इसी दौरान कालू खान के परिवार के लोगों से रास्ते को लेकर विवाद हो गया, विवाद इतना बढ़ गया कि दो समुदायों के लोगों के बीच लाठी, भाटा, डंडा हमला कर दिया, इस मारपीट में कालिरडिया निवासी देबीलाल पिता मोडा ओड़, गोविंद पिता भीमराज ओड़, साहुना बानो पति मौसम खान मेव, खेरुना बानो पति रज्जू खान मेव व मेरुना बानो पति सरफू खान मेव घायल हुए, जिनको एंबुलेंस व निजी वाहनों की मदद से जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया ।

मौके पर स्थित को नियंत्रण करने के लिए बड़लियास सहित कोटड़ी बिगोद, मंगरोप, हमीरगढ़ एवं जिला मुख्यालय से अतिरिक्त जाप्ता बुलाया गया, वही सुचना पर मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन व मांडलगढ़ पुलिस उपाधीक्षक बाबूलाल बिश्नोई, सदर सीओ माधव उपाध्याय मौके पर पहुंचे और लोगों से समझा कर बड़ी मुश्किल से मामले को शांत किया ।

वाहन किया जप्त और डिटेन लोगों से कर रहे पूछताछ

थाना प्रभारी मुन्नाराम ने बताया कि गौशाला तारबंदी के दौरान हुए विवाद के बाद पुलिस ने वहां से मामले में एक जेसीबी मशीन सहित चार मोटरसाइकिल को जब्त किया । वहीं पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को चिन्हित कर डिटेन किया, जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है ।।

जेसीबी मशीन चढ़ाने का किया प्रयास

प्रार्थी राधेश्याम पिता उदय लाल तेली ने मामला दर्ज करवाया कि गौशाला मैं तारबंदी कर रहे थे इसी दौरान सरफुद्दीन उनके पुत्र जाहिद, सालीम, परिवार की महिलाएं सहित अन्य लोगों ने योजनाबद्ध तरीके से हथियार व जेसीबी मशीन लेकर आए और लोगों के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया, वहीं लोगों के ऊपर जेसीबी मशीन भी चढ़ाने का प्रयास किया, जिसमें कई लोग घायल हो गए । इस मामले में प्रार्थी राधेश्याम ने 9 नामजद सहित 40-50 अन्य लोगों के खिलाफ बड़लियास थाने में मामला दर्ज करवाया गया । वही आज बुधवार को ग्रामीणों ने भीलवाड़ा जिला पुलिस कार्यालय पर ज्ञापन देकर उचित कार्रवाई की मांग की ।।

धूमधाम से मनाया गया ढूंढोंत्सव,परंपरा और उल्लास का अनोखा संगम

▪ स्मार्ट हलचल

मंगरोप। कस्बे में होली के दूसरे दिन धुलंडी के अवसर पर खटीक समाज द्वारा परंपरागत ढूंढोंत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर समाज की वर्षों पुरानी परंपरा को निभाते हुए नवजात शिशुओं के नाम "ढूंढने" की रस्म अदा की गई।ढूंढोंत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोकेश खटीक ने बताया कि यह परंपरा मूलतः भीलवाड़ा जिले में खटीक समाज में प्रचलित है।इसके तहत एक वर्ष के भीतर जन्मे बच्चों का नाम ढूंढने की रस्म निभाई जाती है।

जन्म के समय भले ही बच्चे का नामकरण हो जाए,लेकिन ढूंढोंत्सव की परंपरा पूरी होने के बाद ही उस नाम को सामाजिक मान्यता मिलती है।इस अवसर पर कई परिवारों द्वारा सामूहिक भोज का आयोजन भी किया गया,जिसमें रिश्तेदारों,गांववासियों और विशेष रूप से समाज के लोगों को आमंत्रित कर भोजन कराया गया। ढूंढोंत्सव का आयोजन प्रायः शाम के समय किया जाता है।रंग खेलने के बाद करीब शाम 6 बजे खटीक समाज के युवक लगभग 10 फीट लंबा बांस का डंडा लेकर बच्चे के घर पहुंचते हैं।रस्म के दौरान बच्चे की बुआ उसे गोद में लेकर घर की दहलीज पर खड़ी होती है।इसके बाद युवक बांस की लकड़ी को दरवाजे के ऊपर रखकर स्थानीय भाषा में पारंपरिक बोल बोलते हुए बच्चे को "ढूंढते" हैं।इस अनूठी परंपरा के समापन पर बच्चे के पिता द्वारा युवकों को यथोचित राशि भेंट स्वरूप दी जाती है।कस्बे के में करीब 6 जगह ढूंढोंत्सव का आयोजन किया गया जिससे गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा और समाज की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का संदेश भी दिया गया।

होली की खुशियां मातम में बदली, करंट आने से किसान की मौत

▪ स्मार्ट हलचल

सवाईपुर - सवाईपुर क्षेत्र के कानावतों का खेड़ा (नोहरा) गांव में करंट लगने से किसान की मौत हो गई, जिससे होली की खुशियां परिवार में मातम में बदल गई । पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किया । सवाईपुर चौकी प्रभारी प्यार चंद खटीक ने बताया कि कानावतो का खेड़ा (नोहरा) निवासी उदय सिंह पिता भंवर सिंह राजपूत उम्र 53 वर्ष सोमवार होली के दिन खेत पर गेंहू की सिंचाई करने गए थे, जो देर शाम घर नही लौटने पर खेत पर जाकर देखा तो उदय सिंह करंट की चपेट में आने से खेत पर अचेत अवस्था में पड़ा मिला । जिनको परिजन कोटड़ी उप जिला चिकित्सालय ले गए, जहां डॉक्टर ने उदय सिंह को मृत घोषित किया । मौत की सुचना गांव में मिलते ही घर में कोहराम मच गया, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया, परिवार सहित गांव में होली की खुशियां मातम में बदल गई । पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द किया । बड़लियास थाने में पुत्र तेज सिंह ने मर्ग दर्ज करवाई, पुलिस ने जांच शुरू की ।।

बच्चा चोर गिरोह के शक में संदिग्ध महिला को ग्रामीणों ने पकड़ा एक भागने में रही कामियाब, पुलिस ने लिया हिरासत में

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । इन दिनों कई खबरे ऐसी सामने आ रही है जिसमे बताया जा रहा है की बच्चा चोर गैंग सक्रिय है जिसमे महिलाएं वेश बदलकर आती है और बच्चो को बहला फुसलाकर चूरा कर ले जाती है इतना ही नही बच्चा चोर गैंग में पुरुष भी शामिल है । ऐसा ही एक ताजा मामला अब भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा के भटेड़ा गांव से सामने आया है । इस खबर के गांव में फैलते ही हड़कंप मच गया वही बच्चा चोर गिरोह होने का अंदेशा होने पर ग्रामीणों ने गांव में घूमती हुई एक संदिग्ध महिला को पकड़ लिया लेकिन दूसरी महिला वहां से भागने में कामियाब रही । बाद में ग्रामीणों ने उस महिला को बनेड़ा पुलिस के हवाले कर दिया पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और पूछताछ शुरू की । अब यह महज अवफाह के कारण सारा माजरा हुआ या फिर वास्तव में कस्बे में बच्चा चोर गिरोह सक्रिय हो गया है । ग्रामीणों में इसे लेकर दहशत का माहौल भी है जो अपने बच्चो को अकेले बाहर भेजने से भी कतरा रहे है । गौरतलब है की बीते कुछ दिनों में सोशल मीडिया ओर कई समाचार पत्रों में भी बच्चा चोर गिरोह के राजस्थान सहित पूरे देश में सक्रिय होने की घटनाएं देखने को मिली है । महिलाएं और अलग अलग शहरों और गांवों में जाते है और बच्चो को बहला फुसलाकर उनका अपहरण कर ले जाते है । भीलवाड़ा शहर में भी कुछ दिन पूर्व भवानी नगर, गुल अली नगर और आजाद नगर में संदिग्ध व्यक्ति नजर आया था जिसे बच्चा चोर होने के शक में लोगो ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया था ।

श्री लक्ष्मीनाथ मन्दिर में महिलाओं ने हर्षोल्लास से मनाया फागोत्सव

▪ स्मार्ट हलचल

अरवड़ @ कस्बे में स्थित श्री लक्ष्मीनाथ भगवान मन्दिर में महिलाओं ने फागोत्सव बड़े उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाया । इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक गीतों पर नृत्य किया और भगवान के संग गुलाब के फूलों व गुलाल के साथ होली खेलकर उत्सव का आनंद लिया। महिलाओं ने फाग रसिया के गीत गाते हुये भजन सुनाए मन्दिर परिसर को भक्तिमय माहौल से भर दिया। महिलाओ द्वारा ढोलक की थाप पर नृत्य करते हुए होली के रसिया आदि गीत गाये ।मन्दिर में रंग-बिरंगे फूलों और सजावट के बीच भक्ति और उत्साह का सुंदर संगम देखने को मिला। महिलाओं ने भगवान लक्ष्मीनाथ की आराधना कर सुख-समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर पिंकी डांगी, कविता धम्मानी, आशा पारासर, मीनाक्षी नाबेड़ा, देउ सेन,लक्ष्मी छीपा, रीना टेलर, चंदा सोनी,सुनीता छीपा, भारती मंडल,रिंकू पारासर, प्रियंका माली, कनु पारासर,घीसी कीर,संगीता कीर सहित श्रद्धालु मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को "टपका देने" संबंधी वायरल वीडियो के मामले में तीन आरोपी डिटेन

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को "टपका देने" संबंधी वायरल वीडियो के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को डिटेन किया है। यह कार्रवाई क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंता के बीच की गई। जहाजपुर थाना प्रभारी लोकपाल सिंह के अनुसार दिनांक 03/03/2026 को मुखबिर खास द्वारा व्हाट्सएप के माध्यम से एक वीडियो प्राप्त हुआ, जिसे इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया था। उक्त वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध आपत्तिजनक एवं जान से मारने संबंधी कथन किया गया था। सूचना मिलते ही उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया और तत्काल कार्रवाई शुरू की गई।

पुलिस ने वीडियो बनाने और प्रसारित करने के आरोप में तीन युवकों को डिटेन किया है

1. मोहम्मद वली शेर (26 वर्ष), निवासी मेवाती मोहल्ला, जहाजपुर
2. आवेश रज़ा मेवाती (20 वर्ष), निवासी चमन चौराहा, जहाजपुर
3. फरदीन मोहम्मद (24 वर्ष), निवासी चमन चौराहा, जहाजपुर

तीनों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान जारी है। यह मामला केवल एक वायरल वीडियो का नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा और संवैधानिक पद की गरिमा से जुड़ा विषय है। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार है, किंतु किसी भी व्यक्ति—विशेषकर देश के प्रधानमंत्री—के विरुद्ध हिंसक भाषा का प्रयोग कानूनन गंभीर अपराध है। पुलिस प्रशासन ने आमजन से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

बस स्टैंड है या शराबियों का अड्डा

अव्यवस्थित पार्किंग, दुर्गंध मारते टॉयलेट, चारों और पसरी गंदगी, हाल-ए-रोड़वेज डिपो, किससे कहें और क्या कहें ...??

▪ स्मार्ट हलचल / राजेश जीनगर

भीलवाड़ा / स्थानीय रोडवेज डिपो इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहाने को मजबूर हैं, इसके पीछे अव्यवस्था सबसे बड़ा कारण है। ऐसा लगता है, मानों सांझ ढलने के साथ ही यह बस अड्डा कम और शराबियों का अड्डा ज्यादा हो जाता है। इस परिसर में पसरी शराब की बोतलें, क्वार्टर तो यहीं बयां कर रहे हैं। इसके साथ यहां बने टॉयलेट की जैसे काफी समय से सफाई नहीं हुई, जिसके चलते टॉयलेट के आसपास की नालियां व

टॉयलेट दुर्गंध मार रहे हैं। वहीं सुलभ शोचालय के पास कचरे के ढेर भी रोडवेज प्रबंधन की अनदेखी बयां कर रहे हैं। जबकि प्लेटफॉर्म तक खड़े अव्यवस्थित व्हिकल पार्किंग व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। जबकि इस बस स्टैंड से हजारों यात्री सफर करते हैं, कई बार तो गंतव्य तक पहुंचने के लिए साधन (बस) का घंटों इंतज़ार भी करना पड़ता है। ऐसे में बे-बस यात्रियों को इन अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ता है। बावजूद इसके प्रबंधन की अनदेखी उदासीनता कई बड़े सवाल खड़े करती है।

चित्तौड़गढ़ अर्बन बैंक निदेशक मंडल की बैठक संपन्न

ब्याज दरों में कमी 31 मार्च तक यथावत रखने का निर्णय

▪ स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। चित्तौड़गढ़ अर्बन कॉपरेटिव बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक बैंक चेयरमैन डॉ आई एम सेठिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें रजत जयंती के अवसर पर ऋण की ब्याज दरों में की गई कमी का लाभ 31 मार्च 2026 तक ग्राहकों को देने के दृष्टिगत ब्याज दरे यथावत रखने, गांधी नगर स्थित प्रधान कार्यालय निर्माण स्वीकृति पर निर्माण कार्य का शीघ्र शुभारंभ करने,सभी शाखाओं पर रजत जयंती सक्रांति महोत्सव के सफल आयोजन की समीक्षा तथा मार्च के अंत तक के अनुमानित परिणामों की समीक्षा सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय किए गए।

प्रबंध निदेशक वंदना वजीरानी बैंक उपाध्यक्ष शिव नारायण मांनधना, निदेशक सीए दिनेश सिसोदिया, बालकिशन धूत, बाबर मल मीणा, राधेश्याम आमेरिया, रंजीत सिंह नाहर,हरीश आहूजा सीए दीप्ति सेठिया डाड, हेमंत शर्मा, नितेश सेठिया, प्रबंध सदस्य आदित्य सेठिया के सानिध्य में आयोजित इस बैठक में वित्तीय वर्ष मार्च समाप्ति में लक्ष्य पूर्ति, ऑडिट आक्षेप पूर्ति, ऋण वसूली सहित ऋण की ब्याज दरों में को गई कमी को मार्च 2025 तक यथावत रखने का भी निर्णय किया गया।

डा सेठिया ने बैठक में बताया की शाखाओं में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से सम्पूर्ण जिले में ग्राहक संपर्क अभियान से बैंक आम जन तक बैंक पहुंचने में सफल रहा और बाल बचत योजना की महत्ता भी बताने में सफल रहा। नक्शा स्वीकृति के साथ ही प्रधान कार्यालय निर्माण कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया।बैंक ने केवल वर्तमान ऋणी ग्राहकों से मिलने का भी अभियान चलाने का निर्णय किया। बैठक का संचालन वंदना वजीराणी ने किया और धन्यवाद उपाध्यक्ष शिव नारायण मानधना ने व्यक्त किया।

होलिका दहन के बाद फिजाओं में घुली गुलाल की खुशबू, छाई धुलंडी की रंगत

शहर की सड़कों पर दिखा रंगोत्सव का रौनक नजारा, दिनभर चला रामा-श्यामा का दौर, शमशान में भस्म से खेली होली

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / जिले भर में रंगोत्सव के मुख्य पर्व धुलंडी पर असमंजस के बीच मंगलवार व बुधवार को शहरवासी रंगों से सरोबार रहा तो नहीं दुसरी ओर माना जा रहा है की इस बार सालों पुरानी परंपरा टूट गई, और धुलंडी आधी-अधूरी रही, ग्रहण के साये में रंगों का जोश फिका पड़ गया। हालांकि फिजाओं में रंग बिरंगी गुलाल की महक के साथ हर उम्र के लोगों की टोलियां सुबह से शहर की

सड़क पर नजर आई। वस्त्रनगरी में मंगलवार को धुलंडी का पर्व परंपरा और खगोलीय संशय के बीच मिला-जुला रहा। अमूमन रंगों की बौछार और हुड़दंग से सराबोर रहने वाली धुलंडी पर इस बार चंद्रग्रहण के चलते उत्साह की 'रंगत' कुछ कम नजर आई। शहर के इतिहास में संभवत यह पहला मौका था जब धुलंडी के दिन भी 60 प्रतिशत से अधिक बाजार खुले रहे। हालांकि, गलियों में होली है की गूंज सुनाई दी, लेकिन सार्वजनिक आयोजनों में भीड़ का टोटा रहा। हालांकि मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से नेहरू गार्डन में जमकर होली खेली गई। जबकि शहरवासियों ने बुधवार को जमकर रंगों के साथ होली पर्व मनाया। वहीं पुलिस मुख्यालय के आदेश के बाद पुलिस लाइन में पुलिस की होली की तैयारियां धरी रही गई। पुलिस की होली अब गुरुवार को खेली जाएगी।

बुधवार को शहर में कई महिला संगठनों व अग्रवाल समाज द्वारा सामुहिक रूप से उत्साहपूर्वक होली पर्व मनाया गया।

असमंजस के बीच दुकानें खुलीं पर नदारद रहे ग्राहक....

शहर में धुलंडी पर दोपहर तक बाजार पूरी तरह बंद रखने की पुरानी परंपरा है, लेकिन इस बार नजारा बदला हुआ था। गुलमंडी से लेकर सांगानेरी गेट तक मुख्य बाजारों में व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान खोले रखे। दुकानदारों का तर्क था कि ग्रहण और तिथियों के फेर में इस बार धुलंडी दो दिन मंगलवार और बुधवार को मनाई जा रही है। इसके चलते बाजार बंद करने का विशेष उत्साह नहीं रहा। हालांकि, दुकानों पर ग्राहकी पूरी तरह शून्य रही और व्यापारी बाहर बैठकर चर्चा करते ही नजर आए।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण मनाया गया, होली पर्व

जिलेभर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच होली का पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया। कहीं भी किसी तरह की अप्रिय घटना की बात सामने नहीं आई है। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन सहित अन्य पुलिस अधिकारियों व जाब्ते की सतर्कता व सुझबूझ को शहरवासियों द्वारा सराहा गया तो वहीं

जिलेभर में उपाधीक्षक व थानाधिकारी अलर्ट मोड पर रहे, दो दिवसीय आयोजन के बजाय तीन दिवसीय हो जाने के कारण पुलिस द्वारा होली का आयोजन गुरुवार को पुलिस लाइन में किया जाएगा।

शमशान में खेली भस्म से होली, निकाली भैरू जी की सवारी

पिछले कई दशक और परंपरा के अनुसार शहर के पंचमुखी मोक्षधाम में आधी रात को श्रद्धालुओं ने चिता भस्म की होली खेली साथ ही इस दौरान मसानिया भैरव की बैंड बाजों और डीजे की धुन पर विशाल सवारी निकाली जिसमे भक्त भैरु जी के भजनों पर खूब थिरके । यह परम्परा पिछले 20 वर्षों से पंचमुखी मोक्षधाम स्थित भैरवनाथ मंदिर में चली आ रही है यह एक प्रकार की अनोखी होली है जो कही देखने को नहीं मिलती । चिता की राख को पहले भैरू बाबा को अर्पित करने के बाद ही भक्त उस राख से होली खेलते है ।

आक्या बस्सी में भगवान लक्ष्मीनाथ के शोभायात्रा में हुए सम्मिलित

▪ स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या बुधवार को ग्राम बस्सी में भगवान लक्ष्मीनाथ के शोभायात्रा में सम्मिलित हुए।

बस्सी ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष भंवर सिंह खरड़ी बावड़ी ने बताया की बुधवार को बस्सी में फाग उत्सव के तहत हाथी, घोड़ा, बैण्ड बाजो के साथ भगवान लक्ष्मीनाथ की शोभायात्रा निकाली गयी। भगवान लक्ष्मीनाथ स्वयं हाथी पर विराजमान थे। शोभायात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण नाचते गाते व एक दुसरे को गुलाल लगाते चल रहे थे। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने भी शोभायात्रा में सम्मिलित होकर श्रद्धालुओं व ग्रामवासियों को फाग उत्सव की बधाई दी।

इस अवसर पर बस्सी मण्डल अध्यक्ष भंवर सिंह खरड़ी बावड़ी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष नंदकिशोर कोठारी, राम स्वरूप पुरोहित, प्रमोद कोठारी, सीपी नामधराणी, गोपाल चोबे, प्रशासक प्रेम भोई, कमल कोठारी, रतन लौहार, यशवंत पुरोहित, सुरेन्द्र व्यास, कालु व्यास, देवेन्द्र कुमार, कमलेश ओझा, रणजीतसिंह, गजेन्द्र प्रताप सिंह, बनवारी आगाल, रामलाल तेली, जगदीश भाण्ड सहित बडी संख्या में कार्यकर्ता व श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

खेत पर दीपक जलाने को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट, ईलाज के दौरान महिला की मौत

▪ स्मार्ट हलचल

बानसूर। क्षेत्र के हाजीपुर के पास सीतावाली गांव में खेत पर दीपक जलाने को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट में 38 वर्षीय रवि देवी की मौत हो गई। घटना मंगलवार रात करीब 11 बजे की है। जानकारी के अनुसार बाबूलाल यादव अपने दिवंगत पिता की चिता स्थल पर प्रतिदिन दीपक जलाता था। इसी बात को लेकर दूसरे पक्ष के लोगों से विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। मारपीट में बाबूलाल यादव और रवि देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को पहले बानसूर उप जिला

अस्पताल, फिर कोटपूतली और बाद में जयपुर रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान रवि देवी ने दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी राजेश यादव ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्मार्ट हलचल की खबर का बड़ा असर: फूल जी की खेड़ी-श्यामगढ़ मार्ग के गड्ढे भरे, अब नई सड़क की दरकार

PWD ने ग्रेवल डलवाकर किया अस्थायी सुधार; ग्रामीणों ने कहा- 'पेचवर्क से काम नहीं चलेगा, स्थायी समाधान के लिए बने नई सड़क'

▪ स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। क्षेत्र के फूल जी की खेड़ी से श्यामगढ़, टहला और चैनपुरिया को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की बदहाली का मुद्दा **'स्मार्ट हलचल'** में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) हरकत में आया है। खबर का संज्ञान लेते हुए विभाग ने सड़क पर बने जानलेवा गड्ढों में ग्रेवल और मिट्टी डलवाकर अस्थायी मरम्मत कार्य शुरू करवाया है, जिससे राहगीरों को आंशिक राहत मिली है।

फूल जी की खेड़ी से श्यामगढ़ पीडब्ल्यूडी मुख्य सड़क पर गहरे गड्ढों में तब्दील, ग्रामीण परेशान

लंबे समय से नारकीय बने थे हालातः

गौरतलब है कि इस मार्ग की खस्ताहाल स्थिति को लेकर एक दिन पूर्व ही 'स्मार्ट हलचल' ने प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था। सड़क पर गहरे गड्ढों के कारण आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे थे। फूल जी की खेड़ी, श्यामगढ़, पदमपुरा, रामथली, सोपुरा, सरिया और मांडलगढ़ मार्ग पर रोजाना हजारों वाहनों की आवाजाही रहती है, लेकिन लंबे समय से विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा था।

ग्रामीणों की मांग- 'अस्थायी नहीं, पक्का निर्माण हो':

हालांकि प्रशासन ने गड्ढे भरवाकर तात्कालिक राहत दी है, लेकिन ग्रामीणों में अब भी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्रेवल डालने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा, पहली बारिश में ही यह सड़क फिर से वैसी ही हो जाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि इस मार्ग का शीघ्र ही पक्की सड़क के रूप में नव-निर्माण करवाया जाए, ताकि भविष्य में हादसों को रोका जा सके और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके।

स्वर्णकार समाज द्वारा "संस्कारों की स्वर-यात्रा" समाज को समर्पित

▪ स्मार्ट हलचल

सोनी एवं सोलीवाल का अभिनंदन

भीलवाड़ा। श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज की सांस्कृतिक पहल "संस्कारों की स्वर-यात्रा" उदयपुर स्थित आर एन टी ऑडिटोरियम में एक समारोह में समाज को समर्पित की गई। इस विशेष आयोजन में समाजसेवी संजय सुरजनवाल द्वारा रचित 35 गीतों में से 11 गीतों एवं रिंगटोन का विधिवत लॉन्च किया गया। कार्यक्रम के दौरान भीलवाड़ा के दिलीप सोनी एवं प्रभुलाल सोलीवाल का अभिनंदन भी किया गया। समाज के प्रदेश शिक्षा प्रकोष्ठ सदस्य दिलीप सोनी ने बताया कि यह आयोजन समाज के लिए एक अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर के रूप में स्थापित होगा। प्रस्तुत रचनाओं में गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, आरती, समाज का राष्ट्रगान, महिला सशक्तिकरण, युवा प्रेरणा तथा होली-ढूंढोत्सव जैसे विषयों को समाहित किया गया है। उन्होंने कहा कि ये गीत नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेंगे।

कार्यक्रम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश प्रसाद मायछ, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सज्जन लावट, प्रदेश महामंत्री बजरंग लाल झींगा, प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम लाल बुकण, संभाग प्रभारी मेघराज ददोलिया, जिला प्रभारी रामपाल सोलीवाल एवं जिलाध्यक्ष रामलाल कुल्थिया के सानिध्य में आयोजित हुआ। उदयपुर जिला टीम द्वारा भीलवाड़ा से प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित दिलीप सोनी (डसाणिया), प्रदेश सदस्य (शिक्षा प्रकोष्ठ), राजस्थान प्रदेश मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज संस्था (रजि.) तथा प्रभुलाल सोलीवाल, नगर उपाध्यक्ष भीलवाड़ा का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समारोह का सफल संचालन महेश अडानिया ने किया तथा अंत में संजय सुरजनवाल ने सभी समाजजनों एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हर्षोल्लास से मनाया धुलण्डी महोत्सव, रंग-गुलाल संग रही मस्ती की धमाल

▪ स्मार्ट हलचल

लाडपुरा ▪ शिव लाल जांगिड़ ▪ लाडपुरा कस्बे सहित क्षेत्र में धुलंडी का त्यौहार बुधवार 4 मार्च को मनाया गया और धुलंडी खेली गई। रंगों का त्योहार धुलण्डी पर हर तरफ झलके खुशियों के रंग - गुलाल उड़ा मचाया धमाल की ग्रामीण क्षेत्रों सड़कें अबीर-गुलाल से हुई सराबोर ग्राम में श्रद्धा-उल्लास से मनाया धुलण्डी पर्व, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में रंगोत्सव का दिखा उत्साह एक-दूसरे को लोग अपने-अपने परिचितों के धुलण्डी पर्व मनाया गया। छोटी बच्चों ने फूलों, गुलाल और अबीर से होली खेली। हाथ में अबीर गुलाल हुए एक दूतों के लुक उठा। डीजे की धुन पर युवाओं ने नृत्य कर पर्व का आनंद लिया। युवाओं ने फाग गीतों और गुलाल-अबीर के साथ पारंपरिक अंदाज में होली मनाई। पुष्प-गुलाल-अबीर से खेली होली और रंगों का पर्व होली हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। पुरुषों ने जमकर रंग गुलाल खेली। उसके बाद नहाने गए। सभी घरों में एक दूसरे के औलिया आदि व्यंजनों का स्वाद लिया। शांति एवं सोहार्द मय वातावरण में रंगोत्सव धूमधाम के साथ मनाया। कस्बे में शांतिपूर्ण तरीके से होली का त्यौहार मनाया गया।

बाल्दी तीसरी बार बने भारत विकास परिषद् राजस्थान के प्रदेश महासचिव

▪ स्मार्ट हलचल

बाल्दी के नेतृत्व में सेवा और संस्कार कार्यों के लिये राजस्थान बना देश का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र

भीलवाड़ा ।। सेवा और संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी संस्था भारत विकास परिषद ने एक बार फिर राजस्थान की टीम पर भरोसा जताया है। दिल्ली में हुई केंद्रीय कोर कमेटी की बैठक के बाद घोषित की गई नई कार्यकारिणी में भीलवाड़ा के सीए संदीप बाल्दी को लगातार तीसरी बार उत्तर-पश्चिम क्षेत्र का क्षेत्रीय महासचिव मनोनीत किया गया है। बाल्दी सत्र 2026-27 के लिए इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को संभालेंगे। संगठन की इस घोषणा के साथ ही राजस्थान के गौरव में एक और अध्याय जुड़ गया है। राजस्थान में भारत विकास परिषद की 250 से अधिक शाखाएँ और 17,000 से अधिक दाम्पत्य सदस्य हैं। पेशे से चार्टर्ड एकाउंटेंट बाल्दी, इससे पूर्व सत्र 2024-25 व 2025-26 में भी भारत विकास पारिषद राजस्थान के क्षेत्रीय महासचिव का दायित्व निर्वहन कर चुके हैं। 12 से 14 फरवरी 2026, डॉ. हेडगेवार भवन, रेशमबाग, नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय परिषद् की बैठक' में बाल्दी के नेतृत्व में भारत विकास परिषद द्वारा राजस्थान में किए जा रहे सेवा और संस्कार कार्यों के लिये उत्तर पश्चिम क्षेत्र को देश का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र भी घोषित किया गया। सत्र 2025-26 में 15 नई शाखाओं का गठन, देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती पर 33 विकास रत्न व 197 विकासमित्र के भामाशाह सहयोग से सेवार्थ 55 लाख रुपये की राशि का सहयोग, हिमोग्लोबिन जांच के मेगाकैम्प में 1,75,490 बच्चियों एवं महिलाओं की जांच, 4,58,000 से अधिक विद्यार्थियों के मध्य भारत को जानों प्रतियोगिता, 80,000 से अधिक युवाओं के मध्य संस्कार प्रतियोगिता, महिला सहभागिता व पर्यावरण के क्षेत्र में कई नए आयाम इनके नेतृत्व में स्थापित किये। बाल्दी सत्र 2022-24 में भाविप ट्रस्ट एवं प्रोटीज़ प्रोजेक्ट के राष्ट्रीय मंत्री और सत्र 2019-22 में राजस्थान मध्य प्रांत के प्रांतीय महासचिव का दायित्व भी निर्वाहन कर चुके हैं। क्षेत्रीय अध्यक्ष राधेश्याम रंगा, जोधपुर, क्षेत्रीय वित्तसचिव सीए राजेन्द्र अग्रवाल, सीकर और क्षेत्रीय संगठन सचिव जगदीश शर्मा जोधपुर के दायित्व की भी घोषणा की गई। बाल्दी की इस नियुक्ति पर परिषद के सदस्यों में हर्ष की लहर है और प्रदेशभर से बधाइयों का तांता लगा हुआ है।

नकबजनी की वारदात का खुलासा, विद्यालय में चोरी के दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, 90 किलो गेहूं सहित अन्य कीमती सामान बरामद

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । करेड़ा पुलिस ने नकबजनी का खुलासा करते हुए दों आरोपीयों कों गिरफतार किया है साथ ही चोरी किये गये 90 किलो गेंहु 2 पंखे, 2 पासबुक 1 चैकबुक बरामद कर घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाईकिल को जप्त किया है । एसपी धर्मेन्द्र सिह द्वारा जिले मे चोरी, नकबजनी व लूट की वारदातों के खिलाफ कार्यवाही एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु बुद्धराज खटीक आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाड़ा के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वृत्ताधिकारी ओमप्रकाश सैन आरपीएस वृत आसीन्द के सुपरविजन मे व थानाधिकारी पुरण मल थाना करेडा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

घटना का संक्षिप्त विवरण

प्रार्थी लादु लाल पिता चिमनलाल भील उम्र 46 साल निवासी चिलेश्वर पुलिस थाना करेडा जिला भीलवाडा हाल प्रधानाध्यापक रा प्रा वि लक्ष्मीपुरा गोरख्या ने रिपोर्ट देकर बताया की दिनांक 19-02-2026 को राजकीय विद्यालय लक्ष्मीपुरा गोरख्या में अज्ञात चोरों ने 89.100 किलो गेहुं 15 किलो चावल, 10 थालिया, 20 गिलास, 7 धामा, 1 गैस का चुल्हा , अक्षय पेटिका में से 1000 हजार रुपये रोकडी चेक बुक व पास बुक एसएमसी व एमडीएम, 3 वॉलीवोल , 1 फुटबाल, 5 ड्रेस खिलाडीयो की, 1 बाल्टी, 3 ताले, 1 पंखा इत्यादी चोरी कर लेकर चला गया आदि रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अनुसंधान नारायण सिंह सउनि के जिम्में किया गया।

गठीत टीम द्वारा किया गया प्रयासः-

पुलिस टीम ने वैज्ञानिक तरीकों के साथ-साथ परम्परागत पुलिसिंग को अपनाते हुए मुखबिर से लगातार सम्पर्क में रह कर उनसे सूचनाएं प्राप्त की व पूर्व में सम्पति संबंधी अपराधों में चालानशूदा अपराधियों पर सत्त निगरानी रखते हुए उनके मोबाईल नम्बर की सीडीआर प्राप्त कर उनका विश्लेषण किया गया। घटना कारित करने वाले आरोपियों पिंटु पुत्र गोपाल बलाई हाल गोद पुत्र नैना बलाई उम्र 26 साल निवासी ठिकरिया खेडा गोरख्या पुलिस थाना करेडा जिला भीलवाडा, माधु पुत्र हरदेव गुर्जर उम्र 21 साल निवासी निवासी ठिकरिया खेडा गोरख्या पुलिस थाना करेडा जिला भीलवाडा को डिटेन कर गहनता से पुछताछ की गई तो आरोपियों द्वारा घटना कारित करना स्वीकार किया गया। जिस पर आरोपियों को गिरफ्तार कर प्रकरण में चोरी किये गये 90 किलो गेंहु 2 पंखे, 2 पासबुक 1 चैकबुक को बरामद किया जाकर घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाईकिल को जप्त किया गया।

गठित पुलिस टीमः

01. थाना प्रभारी पुरणमल मीणा
02 नारायण सिंह सउनि पुलिस थाना करेडा
03. जितेन्द्र सिंह
04. मुकेश

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

कृपलानी का भाषण झूठ का पुलिंदा, विकास कार्यों की जांच की चुनौती : आंजना

▪ स्मार्ट हलचल

निम्बाहेड़ा। पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने स्थानीय विधायक श्रीचंद कृपलानी के हालिया भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उसे "झूठ का पुलिंदा" बताया है। उन्होंने कृपलानी पर बजट घोषणाओं को भी झूठा बताने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। कांग्रेस कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में आंजना ने कहा कि बजट राज्य सरकार का आधिकारिक दस्तावेज होता है, जिसकी प्रति विधानसभा में उपलब्ध रहती है। इसके बावजूद कृपलानी द्वारा बजट घोषणाओं को झूठा बताना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि निम्बाहेड़ा नगर परिषद में लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से ध्यान भटकाने के लिए बिना भूमि अवाप्ति के निम्बाहेड़ा–मंगलवाड़ फोरलेन निर्माण कार्य शुरू कराया गया।

200.50 करोड़ की स्वीकृति का दावा

आंजना ने कहा कि निम्बाहेड़ा मंगलवाड़ मार्ग की स्वीकृति पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट 2023-24 में दी थी, जिसमें 150 करोड़ रुपए की वित्तीय मंजूरी प्रदान की गई। बाद में बजट रिप्लाई में 50 करोड़ 50 लाख रुपए की अतिरिक्त स्वीकृति दी गई। इस प्रकार कांग्रेस शासन में कुल 200 करोड़ 50 लाख रुपए की स्वीकृति जारी हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी 'चेतक इंटरप्राइजेज' द्वारा सुओ मोटू योजना के तहत सड़क का तखमीना तैयार कर पीडब्ल्यूडी विभाग को प्रस्तुत किया गया था, किंतु आचार संहिता लागू होने से योजना को स्वीकृति नहीं मिल सकी। यदि स्वीकृति मिल जाती तो डेढ़ वर्ष में सड़क निर्माण पूर्ण कर दिया जाता।

भाजपा के दावे पर पलटवार

विधायक कृपलानी द्वारा भाजपा के 2047 तक सत्ता में बने रहने के दावे पर आंजना ने कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा "वोट चोरी" के सहारे सत्ता में आती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के दौरान निम्बाहेड़ा-छोटीसादड़ी क्षेत्र में 13 हजार से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से हटाने का प्रयास किया गया, जिसे कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सजगता से विफल किया गया।

मूर्ति स्थापना में भ्रष्टाचार का आरोप

आंजना ने नगर परिषद क्षेत्र में महापुरुषों की मूर्तियां स्थापित करने के नाम पर करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी तथा शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की मूर्तियां कार्यकर्ताओं के सहयोग से स्थापित की गई थीं, जिनमें सरकारी धन खर्च नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में मूर्ति स्थापना के नाम पर 3 से 4 करोड़ रुपए के दुरुपयोग की आशंका है।

जमीन आवंटन पर सफाई

जमीन आवंटन के मुद्दे पर आंजना ने कहा कि उनके कार्यकाल में पारदर्शिता के साथ किसानों को जमीन आवंटित की गई। उन्होंने चुनौती दी कि यदि किसी से एक भी रुपया लिए जाने का प्रमाण हो तो सामने लाया जाए। साथ ही आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में प्रति बीघा 30 हजार रुपए लेने की शिकायतें सामने आई हैं और भुगतान से इनकार करने वालों के आवंटन निरस्त किए गए।

शिलान्यास कार्यक्रम में अनुपस्थिति पर सवाल

आंजना ने कहा कि जिले के मंत्री गौतम दक, सांसद सीपी जोशी, कपासन विधायक अर्जुन जीनगर और बेगूं विधायक सुरेश धाकड़ शिलान्यास कार्यक्रम में मौजूद नहीं रहे। उन्होंने इसे कृपलानी पर लगे आरोपों से जोड़ते हुए कहा कि कई जनप्रतिनिधि मंच साझा करने से परहेज कर रहे हैं।

जांच की खुली चुनौती

आंजना ने कहा कि उन्होंने जो भी संपत्ति अर्जित की है, वह व्यापार से की है। उन्होंने विधायक कृपलानी को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वर्ष 1990 से 2023 तक कांग्रेस शासन में हुए विकास कार्यों तथा पिछले ढाई वर्षों में नगर परिषद निम्बाहेड़ा, नगर पालिका छोटीसादड़ी, पंचायत समिति निम्बाहेड़ा व छोटीसादड़ी और विधायक मद से स्वीकृत कार्यों की उच्च स्तरीय या भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से जांच करवा ली जाए, ताकि जनता के सामने स्पष्ट हो सके कि कौन भ्रष्ट है और कौन पाक-साफ।

विधायक देवीसिंह शेखावत ने डफ की थाप पर कार्यकर्ताओं संग लगाए ठुमके

▪ स्मार्ट हलचल

नारायणपुर | क्षेत्रीय विधायक देवीसिंह शेखावत के ज्ञानपुरा स्थित निजी आवास पर बुधवार को होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रंगों के इस उल्लासपूर्ण उत्सव में विधायक शेखावत ने सभी उपस्थित लोगों को गुलाल लगाकर धुलंडी पर्व की शुभकामनाएं दीं और आत्मीयता के साथ होली की बधाई दी। समारोह के दौरान माहौल पूरी तरह उत्सवमय बना रहा। ढोल-नगाड़ों और डफ की थाप पर आयोजित धमाल कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण उस समय रहा जब विधायक स्वयं को रोक नहीं पाए और कार्यकर्ताओं के साथ डफ की थाप पर जमकर थिरकते नजर आए। उनके साथ मौजूद समर्थकों ने भी रंग-गुलाल उड़ाते हुए होली के गीतों पर नृत्य कर खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर विधायक देवीसिंह शेखावत ने अपने संबोधन में कहा कि होली का पावन पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार समाज में फैली दूरियों और मतभेदों को भुलाकर एक-दूसरे के गले मिलने और खुशियां बांटने का संदेश देता है। उन्होंने सभी से सामाजिक एकता बनाए रखने और क्षेत्र के विकास में मिलकर सहयोग करने का आह्वान किया। समारोह में प्रशासनिक अधिकारियों सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भी शिरकत की। कार्यक्रम में बानसूर एसडीएम अनुराग हरित, नारायणपुर एसडीएम दिनेश शर्मा, तहसीलदार अनिल कुमार, बीसीएमओ डॉ. दीपेंद्र सिंह, डॉ. पूरण मल जाट, शशिकांत बोहरा, सुल्तान राम सैनी, रोशन लाल सैनी, भवानी शंकर सैनी, महेंद्र भादू, प्रशासक प्रियंका नरुका, मोहन लाल वर्मा, नीरज तोनगरिया, रामनिवास जाट, महेंद्र योगी और धुडाराम यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

विधायक राजेंद्र मीणा के नेतृत्व में ऐतिहासिक होली मिलन समारोह आयोजितः कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब, विधायक ने कार्यकर्ताओं के साथ डांस कर जीता दिल

▪ स्मार्ट हलचल

महुवा। महुवा उपखंड मुख्यालय के मंडावर रोड स्थित शुभ वाटिका मैरिज होम में बुधवार को धूलंडी के अवसर पर विधायक राजेंद्र मीणा द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किया गया इस होली मिलन समारोह ने ऐतिहासिक रूप ले लिया। शुभ वाटिका मैरिज गार्डन, महवा में आयोजित महुआ "विधानसभा क्षेत्र होली मिलन समारोह" में रंगों, उमंग और आत्मीयता का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में महवा विधायक राजेंद्र मीना ने महुवा विधानसभा क्षेत्र की देवतुल्य जनता जनार्दन के बीच पहुंचकर फूलों और रंगों के साथ जमकर होली खेली। ढोल-नगाड़ों, पारंपरिक गीतों और डीजे की धुनों पर विधायक राजेंद्र मीणा

के उत्साहपूर्ण नृत्य ने पूरे पंडाल को तालियों और जयकारों से गुंजायमान कर दिया।होली स्नेह मिलन समारोह में महुआ विधानसभा क्षेत्र के शहरों सहित गांव गांव ढाणी से बड़ी संख्या में सभी जाति वर्ग धर्म के क्षेत्रवासियों कार्यकर्ताओं के साथ-साथ विभिन्न विभागों के क्षेत्रीय अधिकारी भी पधारे और अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं बधाई दीं। युवाओं का उत्साह, अपनों का स्नेहिल साथ और हर चेहरे पर मुस्कान ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। विधायक राजेंद्र मीना ने कहा कि होली प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यह पर्व हमें आपसी मतभेद भुलाकर भाईचारे के रंग में रंगने की प्रेरणा देता है। विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि आप सभी का स्नेह और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है और इसी एकजुटता के साथ विधानसभा क्षेत्र के विकास, सौहार्द और समृद्धि के लिए आप सबके सहयोग से हम सब आगे बढ़ते रहेंगे। महुवा विधायक राजेंद्र मीणा द्वारा अपनों के साथ यह होली स्नेह मिलन समारोह क्षेत्रभर में चर्चा का केंद्र, जनएकता का प्रतीक बन गया

जीतने के बाद आप तो भूल गए जनाब

▪ स्मार्ट हलचल

थांवला। कस्बे की पंचनिबड़ी की ढाणी के ग्रामीणों ने पूंदलौता मे डेगाना विधायक अजय सिंह किलक द्वारा आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह मे अपना मांगपत्र सौपकर सड़क डामरीकरण, पेयजल और सिटी लाइट से बिजली सप्लाई की मांग रखी। रामलाल मावर, नंदकिशोर, सुरेशचंद, उदाराम, विष्णु सहित दर्जनों ग्रामीणों ने ज्ञापन मे बताया की उनकी ढाणी मे 600 से 700 ग्रामीणों का निवास है जिसमे विधायक अजय सिंह किलक नेता पिछले विधानसभा चुनाव मे वादा किया था कि जीतते ही उनकी ढाणी मे सिटी लाइट से बिजली जुड़वाई जाएगी ताकि 24 घंटे बिजली सप्लाई हो सके लेकिन जीतने के बाद उस वादे पर कोई अमल नहीं किया गया नतीजन आज भी शाम होते ही ढाणी मे अंधेरा हो जाता है इसी प्रकार कई घरों मेनहरी पानी के घरेलू कनेक्शन भी नहीं हुए। सोइजना की ढाणी तक सड़क कई सालो की मांग के बावजूद सड़क डामरीकरण नहीं हो सका इस प्रकार दर्जनों ग्रामीणों ने डेगाना में आयोजित होली स्नेह समारोह में उपस्थित होकर अपनी तीनों मांगे पूरी करने की मांग की जिस पर विधायक किलक ने तीनों मांगे जल्द से जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया

भक्ति, संकीर्तन और अन्नकूट के साथ संपन्न हुआ षष्ठ दिवसीय चैतन्य महाप्रभु आविर्भाव महामहोत्सव

▪ स्मार्ट हलचल

कोटा। गणेश नगर स्थित श्री गौर राधागोविंद मंदिर (धरणीधर चौराहा) पर श्रीकृष्ण चैतन्य महाप्रभु के शुभ 540 वां आविर्भाव दिवस पर आयोजित षष्ठ दिवसीय प्राकट्य महामहोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। 27 फरवरी से 4 मार्च 2026 तक चले इस आयोजन के दौरान संपूर्ण क्षेत्र श्रीकृष्ण नाम संकीर्तन की गूंज से भक्तिमय बना रहा। यह आयोजन गौड़ीय परंपरा के संत नित्य लीला प्रविष्टि ओम् विष्णुपाद श्री चक्रधर प्रसाद 'भक्ति शास्त्री' जी महाराज के कृपा आशीर्वाद से तथा वर्तमान आचार्य श्री हरे कृष्ण दास ब्रह्मचारी जी महाराज के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। मीडिया प्रभारी रवि कुमार झंवर ने बताया कि आविर्भाव दिवस पर बुधवार प्रातः 6 बजे मंगल आरती के पश्चात हरिनाम संकीर्तन प्रभात फेरी निकाली गई। श्रद्धालु भक्तों ने मृदंग, करताल एवं विविध वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि

के साथ श्रीहरिनाम का गुणगान किया। इसके पश्चात मंदिर परिसर में भजन-संकीर्तन, बधाई गायन तथा धर्म प्रवचन के कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

ललित नारायण प्रभु के अनुसार, 3 मार्च को सायंकाल दण्डवीर हनुमान मंदिर, महावीर नगर से एक भव्य नगर शोभायात्रा प्रारंभ हुई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। शोभायात्रा में श्री ठाकुरजी की सुसज्जित झांकी, गुरु परंपरा की आकर्षक झांकियां, ध्वज-पताकाएं एवं बैंड-बाजों की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। संकीर्तन करते हुए भक्तगण नृत्य में आत्मविभोर दिखाई दिए।श्री हरे कृष्ण दास ब्रह्मचारी जी महाराज शोभायात्रा में भक्तो को आशीर्वाद देते हुए चले। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर आरती उतारी गई तथा चंदन, पुष्पमाला एवं प्रसाद से श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया।

नारायणदास प्रभु ने बताया कि 4 मार्च को फाल्गुन पूर्णिमा के अवसर पर मध्यान्ह 2:30 बजे श्री ठाकुरजी की भोग आरती संपन्न हुई। भगवान को छप्पन व्यंजनों का अन्नकूट भोग अर्पित किया गया। तत्पश्चात आयोजित विशाल भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में मध्यप्रदेश के भोपाल, जबलपुर, इंदौर, सागर, दमोह, विदिशा सहित विभिन्न नगरों तथा राजस्थान के भरतपुर, बूंदी, अजमेर, भीलवाड़ा, वृंदावन, दिल्ली और देहरादून से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। समापन अवसर पर आचार्य श्री हरे कृष्ण दास ब्रह्मचारी जी महाराज ने सत्संग में युगधर्म श्रीहरि संकीर्तन की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि मानव जीवन की सार्थकता भगवद भजन, सेवा और सत्संग में निहित है। मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा आचार्य श्री का सम्मान किया गया तथा बाहर से पधारे संतों एवं भक्तों का अभिनंदन किया गया।

अलवर जिला स्तरीय खेलों में बानसूर का दम, कई पदक किए नाम

▪ स्मार्ट हलचल

बानसूर। अलवर में आयोजित जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बानसूर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। माय भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में हुई प्रतियोगिता में राज फाउंडेशन ट्रस्ट बानसूर के खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्रा वर्ग की कबड्डी टीम ने प्रथम तथा छात्र वर्ग ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रस्साकसी में पुरुष वर्ग प्रथम और छात्रा वर्ग द्वितीय रहा। एथलेटिक्स में 100 मीटर दौड़ में अनु प्रजापत और 400 मीटर में नितेश यादव ने द्वितीय स्थान हासिल किया। ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार ने बताया कि पंचायत स्तर पर नियमित प्रतियोगिताओं से प्रतिभाओं का चयन कर टीम भेजी गई। विजेताओं को सम्मानित किया गया और जल्द ही कुछ खिलाड़ी राज्य स्तर पर भाग लेंगे।

बंद होते हवाई अड्डेः हवा हवाई होती हवाई चप्पल वालों की हवाई यात्रा

▪ निर्मल रानी
▪ स्मार्ट हलचल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में सूरत में पहली बार कहा था कि सरकार का लक्ष्य है कि 'हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा करे'। मोदी ने अक्टूबर 2025 में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट उद्घाटन पर भी यही दोहराया कि 2014 से उनका सपना था कि 'हवाई चप्पल वाला भी हवाई सफ़र करे'। बेशक प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य ग़रीबों को हवाई यात्रा मुहैया कराने की सोच को दर्शाता है।इसी मक़सद से 'उड़ान' योजना की शुरुआत की गयी थी।'UDAN अर्थात उड़े देश का आम नागरिक। इस योजना का उद्देश्य छोटे शहरों, टियर-2 और टियर-3 इलाक़ों को हवाई संपर्क से जोड़ना और हवाई यात्रा को सस्ता बनाना था। आंकड़ों के मुताबिक़ 2014 में भारत में लगभग 74 सक्रिय हवाई अड्डे थे जिनकी संख्या 2026 के प्रारंभ तक बढ़कर 160-162 तक हो गयी। इनमें से 'उड़ान योजना' के अंतर्गत एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट और वॉटर एयरोड्रोम सहित 93 हवाई अड्डे या तो नए विकसित किये गये या फिर उन्हें पुनर्जीवित किया गया। इनमें से अधिकांश नए या अपग्रेडेड हवाई अड्डे देश के अनेक छोटे शहरों में हैं। गोया कुल मिलाकर गत 10-12 वर्षों में 90 से अधिक नए अथवा सक्रिय हवाई अड्डे जोड़े गए हैं। बताया जा रहा है कि सरकार का लक्ष्य 2047 तक देश भर में 400 से अधिक हवाई अड्डे बनाना है ताकि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा कर सके अर्थात ग़रीबों का सस्ती हवाई यात्रा का सपना साकार किया जा सके।

परंतु पिछले दिनों देश के केवल एक ही राज्य उत्तर प्रदेश से प्राप्त ख़बरों के अनुसार 2021 के बाद 'उड़ान योजना' के अंतर्गत शुरू किये गये 7 नए हवाई अड्डों में से 6 पर नियमित कामर्शियल उड़ानें बंद हो चुकी हैं। धार्मिक पर्यटन के चलते इस समय केवल अयोध्या स्थित महर्षि बाल्मीकि अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा ही सक्रिय है। हालाँकि अयोध्या का यह हवाई अड्डा भी आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तो ज़रूर घोषित किया गया है परन्तु ' अंतर्राष्ट्रीय ' शब्द केवल नाम तक ही सीमित है। वास्तव में अयोध्या का यह महर्षि बाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्तमान में केवल भारत के भीतर सीमित घरेलू उड़ानें ही संचालित करता है और अभी तक किसी दूसरे देश के लिए यहाँ से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू नहीं हुई हैं। अलबत्ता यहाँ से संचालित

कुछ स्वदेशी मार्गों जैसे कोलकाता, पटना आदि की उड़ानें भी अस्थायी रूप से बंद ज़रूर हो चुकी हैं। केवल उत्तर प्रदेश देश में जिन हवाई अड्डों से उड़ानों का संचालन फ़िलहाल बंद हो चुका है उनमें कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट,आज़मगढ़ एयरपोर्ट,चित्रकूट एयरपोर्ट,श्रावस्ती एयरपोर्ट,मुरादाबाद एयरपोर्ट तथा अलीगढ़ एयरपोर्ट के नाम उल्लेखनीय हैं। इसी तरह पंजाब में पठानकोट व लुधियाना, सिक्किम में पेक्यांग,गुजरात के भावनगर,छत्तीसगढ़ का अंबिकापुर,ओड़ीसा का राउरकेला,मध्य प्रदेश का दतिया,कर्नाटक का कलबुर्गी व हिमाचल के शिमला के हवाई अड्डों के बंद होने की ख़बरें हैं। सैकड़ों करोड़ की लागत से बनाये गये यह हवाई अड्डे कहीं कम पैसेंजर ट्रैफ़िक के कारण अर्थात यात्रियों की कमी के चलते बंद करने पड़े तो कहीं ख़राब दृश्यता , इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम की कमी या एयरलाइंस कंपनियों की संचालन में रुचि न होने के कारण बंद करने पड़े। कहीं पास के बड़े हवाई अड्डों के कारण यात्री न मिलने की वजह से बंद कर दिये गए तो कुछ तकनीकी व इंफ्रास्ट्रक्चर समस्याओं जैसे छोटे एयरपोर्ट पर हैंगर, फ़्यूल , स्टाफ़ की कमी के कारण भी बंद हुये।

एक अनुमान के अनुसार UDAN के अंतर्गत बिना किसी उड़ान के ही इन 15 नॉन-ऑपरेशनल एयरपोर्ट्स के रखरखाव और सिक्योरिटी पर पिछले 8 वर्षों में लगभग 878-900 करोड़ रूपये ख़र्च किये जा चुके हुए हैं जबकि कुल UDAN एयरपोर्ट्स के विकास पर 4,600 करोड़ से भी अधिक ख़र्च होने का अनुमान है। परन्तु सरकार को इससे कोई लाभ नहीं हुआ। इसी तरह एयर पोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इण्डिया AAI के 81 एयरपोर्ट्स पर पिछले 10 वर्षों में 10,853 करोड़ के कुल घाटे का अनुमान है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। ऐसे में यह सवाल उठना लाज़िमी है कि क्या बंद होने वाले हवाई अड्डों या घाटे में चलने वाले हवाई अड्डों को शुरू करते समय या इनकी योजना बनाते वक़्त क्या इस बात का सही आंकलन नहीं किया गया कि यह हवाई अड्डे भविष्य में सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगे या नहीं ? क्या वजह है कि कल की यह लोकलुभावन योजनायें आज मात्र 'सफ़ेद हाथी ' बनकर रह गयी हैं ? एक सवाल यह भी है कि 'हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करें' जैसी लोकलुभावन बातें कर इस तरह की योजनायें केवल चुनावी लाभ लेने के कारण बनाई गयी थीं ? साथ ही एक सवाल यह भी कि जिस देश में रेल व बस जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार की भारी ज़रूरत हो,जहां अभी तक ट्रेन में यात्रियों को समय पर आरक्षित सीटें उपलब्ध न हो पाती हों,हद तो यह है कि अनेक दूरगामी ट्रेन्स में पैर रखने,खड़े होने यहाँ तक कि यात्रियों के डिब्बों में घुस पाने तक की जगह न मिल पाती हो,जहां आज भी यात्री ट्रेन्स में लटककर और अपनी जान को जोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर हों वहां इस तरह की शर्मसार कर देने वाली सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार करने व इन्हें व्यवस्थित करने के बजाये ऐसे नये हवाई अड्डे बनाना जोकि शीघ्र ही बंद भी करने पड़ जायें,क्या ऐसा क़दम जनता के पैसों की बर्बादी नहीं है ? इन सबके अतिरिक्त यह भी माना जा रहा है कि बिना ज़रुरत के नये हवाई अड्डे शुरू करने के पीछे का एक मक़सद इनके संचालन से सत्ता के नज़दीकी समझे जाने वाले उद्योगपतियों व कार्पोरेट्स को आर्थिक लाभ पहुंचाना भी है।

बहरहाल देश में लगातार बंद होते जा रहे नव सांचालित हवाई अड्डे इस निष्कर्ष पर तो पहुँचने के लिये काफ़ी हैं कि हवाई चप्पल वालों को हवाई यात्रा करने का जो 'लोकलुभावन ढिंढोरा पीटा जा रहा था वह फ़िलहाल हवा हवाई साबित होता जा रहा है।

.....

दुनियाभर की साजिशों का शिकार एशिया

▪ डॉ० सत्यवान सौरभ
▪ स्मार्ट हलचल

एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य सदियों से संघर्ष, हस्तक्षेप और साजिशों से घिरा रहा है। यह महाद्वीप न केवल जनसंख्या और संस्कृति का केंद्र है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से भी विश्व का सबसे समृद्ध क्षेत्र माना जाता है। फिर भी, विडंबना यह है कि यही एशिया बार-बार युद्धों, अस्थिरता और गरीबी की आग में झोंका जाता रहा है। आज ईरान-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ता तनाव हो या कंबोडिया-थाईलैंड के बीच सीमा संघर्ष, ये घटनाएँ मात्र संयोग नहीं लगतीं। इनके पीछे एक व्यापक वैश्विक रणनीति काम करती दिखती है, जिसमें एशिया को अशांत रखकर बाहरी शक्तियाँ अपने हित साधती हैं। एशिया जले, और विकसित देशों की तिजोरियाँ भरें—यही इस राजनीति का नंगा सच है।

ग्लोबल साउथ के देश संसाधनों से भरपूर हैं, लेकिन निर्णय-शक्ति से वंचित। तेल, गैस, कोयला, दुर्लभ खनिज, उपजाऊ भूमि और युवा जनसंख्या—सब कुछ होने के बावजूद ये देश कर्ज, बेरोजगारी और अस्थिरता में फँसे रहते हैं। इसका मूल कारण केवल आंतरिक कमजोरियाँ नहीं, बल्कि वह वैश्विक व्यवस्था है जो दशकों से इन्हें निर्भर बनाए रखने के लिए गढ़ी गई है। विकसित देशों ने औपनिवेशिक काल में जिस लूट की शुरुआत की थी, वही आज नए रूप में जारी है—कभी मुक्त व्यापार के नाम पर, कभी लोकतंत्र और मानवाधिकारों की आड़ में।

ईरान-पाकिस्तान तनाव इसका ताजा उदाहरण है। ईरान पर लंबे समय से लगे प्रतिबंधों ने उसकी अर्थव्यवस्था को कमजोर किया है, जबकि पाकिस्तान लगातार विदेशी कर्ज और आर्थिक दबाव में जी रहा है। ऐसे में सीमा पर उभरता तनाव केवल स्थानीय मुद्दा नहीं रह जाता। बलूचिस्तान जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अस्थिरता दोनों देशों को आमने-सामने खड़ा कर सकती है। यदि यह तनाव बढ़ता है, तो पूरे दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया में ऊर्जा मार्ग बाधित होंगे। तेल और गैस की कीमतें बढ़ेंगी, जिसका सीधा लाभ वैश्विक बाजारों पर नियंत्रण रखने वाली शक्तियों को मिलेगा। युद्ध भले एशिया में हो, लेकिन मुनाफा कहीं और दर्ज होगा।

इतिहास गवाह है कि बाहरी ताकतें अक्सर स्थानीय विवादों को हवा देकर अपने हित साधती रही हैं। कभी वे मध्यस्थ बनकर सामने आती हैं, तो कभी सैन्य सहायता और सुरक्षा के नाम पर अपने ठिकाने स्थापित कर लेती हैं। अफगानिस्तान इसका ज्वलंत उदाहरण है, जहाँ दशकों तक युद्ध चला, समाज टूट गया, और अंततः वही देश सबसे अधिक तबाह हुआ, जिसे "मदद" देने

का दावा किया गया था। ऐसे ही हालात एशिया के अन्य हिस्सों में भी दोहराए जा रहे हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया में कंबोडिया-थाईलैंड विवाद भी इसी रणनीति की कड़ी प्रतीत होता है। सीमा क्षेत्रों में मौजूद मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों को लेकर तनाव कोई नया नहीं, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें जिस तरह सैन्य रंग घुला है, वह चिंताजनक है। यह क्षेत्र दुर्लभ खनिजों से समृद्ध माना जाता है, जिनकी मांग नई तकनीकों और ऊर्जा परिवर्तन के दौर में तेजी से बढ़ रही है। जब दो पड़ोसी देश आपस में उलझते हैं, तो बाहरी शक्तियों के लिए हस्तक्षेप आसान हो जाता है। सैन्य सहायता, निवेश और कर्ज के बदले संसाधनों तक पहुँच बना ली जाती है। अंततः नुकसान स्थानीय जनता का होता है—पर्यावरण विनाश, विस्थापन और आर्थिक असमानता के रूप में।

ग्लोबल साउथ की यह स्थिति अचानक नहीं बनी। बीसवीं सदी के मध्य से ही विकसित देशों ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को कच्चे माल के स्रोत और तैयार माल के बाजार के रूप में इस्तेमाल किया। औपनिवेशिक शासन खत्म हुआ, लेकिन आर्थिक संरचना नहीं बदली। आज भी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ कर्ज देती हैं, लेकिन बदले में ऐसी शर्तें थोपती हैं, जो इन देशों की नीतिगत स्वतंत्रता छीन लेती हैं। संसाधनों का निजीकरण, सब्सिडी में कटौती और आयात-निर्भरता—ये सब उसी जाल के हिस्से हैं।

इस पूरी व्यवस्था में आंतरिक कमजोरियाँ भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। भ्रष्टाचार, सत्ता संघर्ष, जातीय और धार्मिक विभाजन इन देशों को भीतर से खोखला करते हैं। जब समाज बँटा होता है, तो बाहरी हस्तक्षेप और आसान हो जाता है। सत्ता में बैठे लोग अल्पकालिक लाभ के लिए दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से समझौता कर लेते हैं। जनता की आवाज दब जाती है, और निर्णय कुछ गिने-चुने वर्गों तक सीमित रह जाते हैं।

फिर भी, यह मान लेना कि ग्लोबल साउथ असहाय है, एक बड़ी भूल होगी। समाधान मौजूद हैं, बशर्ते इच्छाशक्ति हो। सबसे पहला कदम है क्षेत्रीय एकजुटता। एशिया के देशों को आपसी विवादों को संवाद और सहयोग से सुलझाना होगा। सीमा विवाद हों या संसाधनों का बँटवारा—इनका हल युद्ध नहीं, बल्कि साझा समझ में है। जब पड़ोसी देश एक-दूसरे के साथ खड़े होंगे, तो बाहरी ताकतों की गुंजाइश अपने-आप कम हो जाएगी।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है आर्थिक स्वावलंबन। संसाधनों पर वास्तविक नियंत्रण तभी संभव है, जब स्थानीय उद्योग और सार्वजनिक क्षेत्र मजबूत हों। केवल कच्चा माल निर्यात करने के बजाय मूल्यवर्धन पर जोर देना होगा। तकनीक का हस्तांतरण जरूरी है, लेकिन उत्पादन क्षमता देश के भीतर विकसित करनी होगी। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कटना नहीं, बल्कि बराबरी के आधार पर जुड़ना है।

पर्यावरणीय न्याय भी इस संघर्ष का अहम हिस्सा है। ऊर्जा परिवर्तन के नाम पर जिस तरह खनन बढ़ाया जा रहा है, उसका सबसे बड़ा बोझ आदिवासी और ग्रामीण समुदाय उठा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से भी वही देश सबसे अधिक प्रभावित हैं, जिन्होंने इसमें सबसे कम योगदान दिया है। ऐसे में वैश्विक मंचों पर न्यायपूर्ण हिस्सेदारी और जिम्मेदारी की माँग करना अनिवार्य है।

सामाजिक स्तर पर भी बदलाव जरूरी है। शिक्षा प्रणाली में केवल तकनीकी ज्ञान नहीं, बल्कि इतिहास, राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था की समझ विकसित करनी होगी। मीडिया और सूचना तंत्र को सजग बनाना होगा, ताकि प्रोपेगैंडा और भ्रम से समाज को बचाया जा सके। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि स्थानीय समस्याएँ अक्सर वैश्विक संरचनाओं से जुड़ी होती हैं।

अंततः, एशिया का भविष्य उसके अपने हाथों में है। यदि यह महाद्वीप लगातार टकराव और अस्थिरता में उलझा रहा, तो इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। लेकिन यदि एशिया एकजुट होकर अपने संसाधनों, अपनी नीतियों और अपने समाज पर नियंत्रण स्थापित करता है, तो वैश्विक शक्ति संतुलन बदल सकता है। यह समय केवल प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और ठोस कदम उठाने का है।

एशिया को अब किसी और की लड़ाई का मैदान बनने से इनकार करना होगा। संसाधन हमारे हैं, जनता हमारी है और भविष्य भी हमारा होना चाहिए। ग्लोबल साउथ को दया नहीं, न्याय चाहिए; हस्तक्षेप नहीं, सम्मान चाहिए। यही संघर्ष की असली दिशा है, और यही एक न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था की नींव बन सकती है।

नारायण और राम में कोई अंतर नहीं

नारायण और राम दोनों वास्तव में एक ही हैं, मात्र नामों का अंतर है। नारायण संस्कृत का शब्द है। राम का अर्थ क्या है? एक अर्थ है रमंते योगिनः यस्मिन रामः। अर्थात् राम ही मात्र एक ऐसे विषय है जो योगियों के आध्यात्मिक मानसिक आभोग हैं, मानसाध्यात्मिक भोजन है, मानसाध्यात्मिक आनंद और प्रसन्नता के स्रोत हैं।

एक कहानी है कि किसी ने हनुमान से कहा, हनुमान, तुम एक भक्त हो और जानते हो कि मूलतः नारायण और राम में कोई अंतर नहीं है। तब तुम सर्वदा राम का ही नाम लेते हो, कभी नारायण का नाम नहीं लेते हो जबकि दोनों मूलतः एक ही हैं।

राम का दूसरा अर्थ है, राति महीधरः रामः। रति का प्रथम अक्षर र है और महीधर का प्रथम अथर म, राम। रति महीधरः, संपूर्ण विश्व की सर्वश्रेष्ठ ज्योतित सत्ता है, जिनसे सभी ज्योतित (प्रकाशित) सत्ताएं ज्योति प्राप्त करती हैं। चन्द्रमा पृथ्वी से ज्योति प्राप्त करती है, पृथ्वी सूर्य से ज्योति प्राप्त करती है और सूर्य परम पुरुष से ज्योति प्राप्त करते हैं। वे ही वह सर्वोच्च सत्ता है जो दूसरों को प्रकाशित करते हैं। वह सर्वोच्च प्रकाशमान सत्ता कौन हैं? परम पुरुष ही सर्वोच्च ज्योतित सत्ता हैं। राति महीधरः का तात्पर्य है, मात्र परम पुरुष, कोई अलग सत्ता नहीं, कोई अन्य सत्ता नहीं। राम का तीसरा अर्थ है, रावणस्य मरणं रामः। रावण शब्द का प्रथम अक्षर है रा और मरणं का प्रथम अक्षर है म। राम-राम अर्थात वह सत्ता जिसके चाप से रावण मर जाता है। अस्तु, रावणस्य मरणं, रावण की मृत्यु कहां होती है, कब होती है? जब कोई राम की शरण में जाता है तो रावण मर जाता है। अतः रावणस्य मरणं राम, जो परम पुरुष, राम, चिति सत्ता की शरण में चला जाता है, वह रावण रूपी राक्षस का नाश कर सकता है। रावणस्य मरणं का तात्पर्य सर्वोच्च चितिसत्ता। अतः राम और नारायण में कोई अंतर नहीं है। तुम्हें अधिकाधिक सचाई के साथ अपनी सम्पूर्ण मानसिक वृत्तियों को समाहृत करते हुए बिंदुभूत रूप में अपने लक्ष्य परम पुरुष की ओर चलना चाहिए। अपितु, सभी मानसिक वृत्तियों को सूई की नोक (सूच्यग्र) के समान एकाग्र करते हुए अपने मैं भाव को मात्र उस एक तत्व की ओर, बिना किसी अन्य रूप, नाम, वर्ण अथवा विषय पर ध्यान दिए तुम्हें परिचालित करना चाहिए। इसीलिए हनुमान कहते हैं, श्रीनाथे जानकी नाथे। श्री शब्द का योगारूढ़ार्थ है, वह सत्ता जो रजोगुणी शक्ति की अधिष्ठान है, जो शक्ति से पूर्ण है। श्रीनाथ, श्री के मालिक नारायण हैं और जानकी अर्थात् सीता के मालिक (पति) हैं राम। सीता में सी का अर्थ है खेतों को जोतना (कल्चर), और उसका विशेषण वाची शब्द है सीता अर्थात् पूर्ण संस्कारित। यह संस्कार आता कहां से है? कौन इस संस्कार (संस्कृति) का मालिक है? इस संस्कार (संस्कृति) का कौन प्रेरणास्रोत अथवा सहायक है? परम पुरुष, श्रीनाथ अथवा जानकीनाथ का तात्पर्य है, उन्हीं परम पुरुष से। इसीलिए श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नहीं है। हनुमान कहते हैं, मैं इसे जानता हूं कि आध्यात्मिकता, अध्यात्मवाद और आध्यात्मिक साधना विज्ञान की भी दृष्टि से श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नहीं है। तथापि मम सर्वस्वः रामः कमललोचनः।

अस्तु, मन की सम्पूर्ण वृत्तियों को एक ही तत्त्व की ओर परिचालित करो, एक नाम का उपयोग करो, मात्र अपने इष्ट मंत्र का उपयोग करो और किसी अन्य मंत्र का उपयोग मत करो। हनुमान इसीलिए कहते हैं, मैं मात्र राम का नाम जपता हूं। कभी भी नारायण का नाम नहीं जपता। मैं नहीं जानता कि और नारायण हैं कौन? प्रत्येक साधक को जानना चाहिए कि संपूर्ण विश्व में मात्र एक ही मंत्र है और वह है उसका इष्ट मंत्र। वह कोई और मंत्र जानता ही नहीं है।

उंगलियां बताएंगी आपकी आर्थिक स्थिति

धन-संपत्ति का होना या आपकी जिंदगी में इसका आना काफी हद तक आपके टैलंट के साथ-साथ आपके हाथों की रेखा पर भी निर्भर करता है। आइए जानें कि उंगलियों को देख आप कैसे पता लगाएंगे कि आपकी जिंदगी में कब धनागमन होगा या फिर इन चीजों से आपका जीवन सूना रहेगा।

1. यदि आपकी कनिष्ठा उंगली और अनामिका उंगली को आपस में सटाने के बाद बीच में गैप नज़र आ रहा हो तो समझ लीजिए कि बुढ़ापे में पैसों की तंगी से आप परेशान हो सकते हैं।
2. यही गैप यदि मध्यमा और अनामिका उंगली के बीच नज़र आ रही हो तो साफ है कि युवा अवस्था में आप पैसों के संकट से जूझ सकते हैं।
3. यदि मध्यमा और तर्जनी के बीच यह गैप हो तो बचपन में जातक को आर्थिक समस्या से सामना करना पड़ सकता है।
4. यदि यह गैप किसी भी उंगली के बीच न हो तो इसका अर्थ है कि व्यक्ति जन्म भर धन-संपत्ति से परिपूर्ण रहता है।
5. यदि उंगलियों के सभी पर्व लंबे हों तो व्यक्ति धनवान होता है।
6. यदि मध्यमा उंगली के तीसरे पर्व के करीब अनामिका आकर मिल गई हो तो ऐसे लोग कलाकार, बुद्धिमान, विद्वान और विचारशील होते हैं और इस क्षेत्र में धन कमाते हैं।

7. यदि अनामिका उंगली सीधी और लंबी है तो समझ लें कि जातक धन कमाने के मामले में काफी कुशल होता है।
8. यदि अनामिका उंगली तर्जनी के समान लंबी हो और उसका पहला पर्व चपटा हो तो व्यक्ति को खूब धन व सम्मान मिलता है।
9. यदि व्यक्ति की उंगलियों में अनामिका का तीसरा पर्व ज्यादा लंबा हो और गांठें उन्नत हों तो बिना वह किसी परेशानी के धन कमाने में लीन रहता है।
10. यदि जीवन रेखा से कई छोटी रेखाएं नज़र आएं और यह ऊपर की ओर जाती दिखे तो समझ लीजिए कि उस खास उम्र में व्यक्ति धन-संपत्ति और सम्मान पाता है।
11. यदि मस्तिष्क रेखा से कोई रेखा गुरु पर्वत की ओर जाए और उसके अंत पर क्रॉस जैसे निशान हो या फिर कोई टेढ़ी-मेढ़ी रेखा हो तो ऐसे लोगों को चाहकर भी धन पाने में सफलता नहीं मिल पाती।
12. अंगूठे के दोनों पर्व यदि कठोर और बराबर हैं तो यह धन और बिजनेस को खूब बढ़ाता है।

अंगूठा बताता है आपका व्यक्तित्व

कहते हैं अंगूठा मस्तिष्क का अहम बिंदु होता है। पुराने जमाने में किसी का अंगूठा देखकर उसकी बीमारी और उपचार के बारे में बताया जाता था। आइए, जानें कि अंगूठे का शेप क्या-क्या कहता है आपके बारे में...

- अंगूठा यदि मोटा हो तो कहते हैं ऐसे लोग बड़े ही जिद्दी स्वभाव के और भद्दे आचरण वाले होते हैं।
- अंगूठा यदि छोटा हो तो ऐसे लोग फिकल माइंड के होते हैं। पल में ये पल में वो- यह सोचने में उन्हें ज्यादा देर नहीं लगती। अंगूठा छोटा और पतला हो तो व्यक्ति की मानसिक स्थिति कमजोर और उनमें लीडिंग पावर की कमी दिखती है।
- लंबे अंगूठे वालों का व्यक्तित्व शानदार होता है। वे काफी जल्दी खुद पर कंट्रोल करना जानते हैं।
- कहते हैं कि अंगूठे के आगे का हिस्सा यदि शेप में पतला हो तो व्यक्ति बेहद होशियार, बुद्धिमान और हर बात को अलग और बेहतर तरीके से सोचने वाला और संवेदनशील होता है।
- कुछ लोगों का अंगूठा ऊपर से बिल्कुल चौड़ा सा नजर आता है। जिनका अंगूठा ऐसा हो, वह व्यक्ति प्रैक्टिकल होता है। कही अनकही बातों पर ध्यान न देते हुए वह वही करता है जो प्रैक्टिकली सही हो। हालांकि ऐसे लोग बड़ी जल्दी उत्तेजित भी हो जाते हैं।
- हममें से ज्यादातर लोगों का अंगूठा नीचे से मोटा और ऊपर थोड़ा पतला और मुड़ा होता है। लेकिन, यदि किसी का अंगूठा शेप में बिल्कुल सीधा हो तो समझ लें कि मूड खराब होने पर उन्हें समझाना किसी के बस की बात नहीं। स्वभाव से बड़े ही जिद्दी किस्म के होते हैं। लोग उनसे दूर रहना ही पसंद करते हैं।
- कुछ लोगों का अंगूठा बेहद लचीला होता है और ऐसे लोगों का स्वभाव भी काफी सॉफ्ट होता है। दोस्ती तो इनकी सबसे हो जाती है, लेकिन ऐसे लोगों पर भरोसा कोई जल्दी नहीं करता।

जब दैत्यों ने किया समुद्र मंथन के लिए मजबूर

एक दिन ऐरावत पर भ्रमण करते हुए देवराज इन्द्र से मार्ग में महर्षि दुर्वासा मिले। उन्होंने इन्द्र पर प्रसन्न होकर उन्हें अपने गले की पुष्प माला प्रसाद रूप में प्रदान की। इन्द्र ने उस माला को ऐरावत के मस्तक पर डाल दिया और ऐरावत ने उसे अपनी सूंड से नीचे डालकर पैरों से रौंद दिया। अपने प्रसाद का अपमान देखकर महर्षि दुर्वासा ने इन्द्र को श्रीभ्रष्ट होने का शाप दे दिया। महर्षि के शाप से श्रीहीन इन्द्र दैत्यराज बलि से युद्ध में परास्त हो गये। दैत्यराज बलि का तीनों लोकों पर अधिकार हो गया। हारकर देवता ब्रह्मा जी को साथ लेकर भगवान विष्णु की शरण में गये और इस घोर विपत्ति से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु ने कहा कि आप लोग दैत्यों से संधि कर लें और उनके सहयोग से मंदराचल को मथानी तथा वासुकी नाग को रस्सी बनाकर क्षीरसागर का मंथन करें। समुद्र से अमृत निकलेगा, जिसे पिलाकर मैं देवताओं को अमर बना दूंगा, तभी देवता दैत्यों को पराजित करके पुनः स्वर्ग को प्राप्त कर सकेंगे।

इन्द्र दैत्यराज बलि के पास गये और अमृत लोभ से देवताओं और दैत्यों में संधि हो गयी। देवताओं और दैत्यों ने मिलकर मंदराचल को उठाकर समुद्र तट की ओर ले जाने का प्रयास किया, किंतु असमर्थ रहे। अंत में स्मरण करने पर भक्त भयहारी भगवान पधारे। उन्होंने खेल खेल में ही भारी मंदराचल को उठाकर गरुण पर रख लिया और क्षणमात्र में क्षीरसागर के तट पर पहुंचा दिया। मंदराचल की मथानी और वासुकी नाग की रस्सी बनाकर समुद्र मंथन प्रारम्भ हुआ। भगवान ने मथानी को धंसते हुए देखकर स्वयं कच्छप रूप में मंदराचल को आधार प्रदान किया। मंथन से सबसे पहले विष प्रकट हुआ, जिसकी भयंकर ज्वाला से समस्त प्राणियों के प्राण संकट में पड़ गये। लोक कल्याण के लिए भगवान शंकर ने विष का पान किया। इसके बाद समुद्र से लक्ष्मी, कौस्तुभ, पारिजात, सुरा, धन्वन्तरि, चंद्रमा, पुष्पक, ऐरावत, पांचजन्य, शंख, रम्भा, कामधेनु, उच्चैः श्रवा और और अमृत कुंभ निकले। अमृत कुंभ निकलते ही धन्वन्तरि के हाथ से अमृतपूर्ण कलश छीनकर दैत्य लेकर भागे, क्योंकि उनमें से प्रत्येक सबसे पहले अमृतपान करना चाहता था।कलश के लिए छीना झपटी चल रही थी और देवता निराश खड़े थे। अचानक वहां एक अद्वितीय सौन्दर्य से भरपूर नारी प्रकट हुई। असुरों ने उसके सौंदर्य से प्रभावित होकर उससे मध्यस्थ बनकर अमृत बांटने की प्रार्थना की। वास्तव में भगवान ने ही दैत्यों को मोहित करने के लिए मोहिनी रूप धारण किया था। मोहिनी रूप धारी भगवान ने कहा कि मैं जैसे भी विभाजन का कार्य करूं, चाहे वह उचित हो या अनुचित, तुम लोग बीच में बाधा उत्पन्न न करने का वचन दो तभी मैं इस काम को करूंगी। सभी ने इस शर्त को स्वीकार किया। देवता और दैत्य अलग अलग पंक्तियों में बैठ गये। जिस समय भगवान मोहिनी रूप में देवताओं को अमृत पिला रहे थे, राहु धैर्य न रख सका।

वह देवताओं का रूप धारण करके सूर्य-चंद्रमा के बीच बैठ गया। जैसे ही उसे अमृत का घूंट मिला, सूर्य-चंद्रमा ने संकेत कर दिया। भगवान मोहिनी रूप का त्याग करके शंख चक्रधारी विष्णु हो गये और उन्होंने चक्र से राहु का मस्तक काट डाला। असुरों ने भी अपना शस्त्र उठाया और देवासुर संग्राम प्रारम्भ हो गया। अमृत के प्रभाव से तथा भगवान की कृपा से देवताओं की विजय हुई और उन्हें अपना स्वर्ग वापस मिल गया।

युगों-युगों के लिए आदर्श भाई बन गए भरत

श्रीराम वनवास के बाद महाराज दशरथ ने उनके वियोग में अपना प्राण त्याग दिया। फिर गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश से उनके शरीर को सुरक्षित रख दिया गया और ननिहाल से भरत और शत्रुघ्न को बुलाने के लिए शीघ्रगामी दूत भेजे गये। भरतजी के ननिहाल से लौटने के बाद कैकेयी ने उन्हें प्रेमपूर्वक गले से लगाया और उनसे अपने पिता, भाई और माता की कुशल क्षेम पूछी। महाराज दशरथ को कैकेयी के महल में न देखकर भरत ने पूछा, मां तुम यहां अकेली बैठी हो, तुम्हारे बिना तो पिताजी एकांत में कभी नहीं रहते थे। भईया श्रीराम भी नहीं दिखाई दे रहे हैं। कारण क्या है उन्हें नहीं देखकर मुझे दुख हो रहा है।

कैकेयी ने कहा कि पुत्र तुम्हारे लिये भय और दुख की कोई बात नहीं है। मैंने महाराज से पूर्व वर के अनुसार तुम्हारे लिये राज्य तथा श्रीराम के लिये चौदह वर्षों का वनवास मांग लिया। श्रीराम के वनवास से दुखी होकर तुम्हारे पिता मृत्यु को प्राप्त हुए। कैकेयी के इस कुकृत्य को सुनकर भरत शोक समुद्र में डूब गये। उन्होंने कैकेयी से कहा, %अरी पापिनी, तू बात करने योग्य नहीं है। तू अपने पति की हत्या करने वाली हत्यारिणी है और तेरे गर्भ से जन्म लेने के कारण उस महापाप का मैं भी भागीदार हूं। मैं तेरा मुंह भी नहीं देखना चाहता। अतः तू मेरे सामने से तत्काल हट जा। कैकेयी के कुकृत्य की निंदा करने के बाद भरत माता कौशल्या के पास गये और उन्हें विभिन्न प्रकार से सांत्वना दी। उसके बाद उन्होंने गुरुदेव वसिष्ठ की आज्ञानुसार महाराज दशरथ का विधिवत अंतिम संस्कार किया तथा पिता के उद्देश्य से ब्राम्हणों को अनेक प्रकार का दान

दिया। गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश और माता कौसल्या के अनुरोध के बाद भी भरत ने राज्य लेना अस्वीकार कर दिया तथा सबको साथ लेकर श्रीराम को मनाने के लिए पैदल ही चित्रकूट चल दिये। मार्ग में निषादराज गुह और श्रीभरद्वाज जी से मिलते हुए भरतजी चित्रकूट पहुंचे। वहां उन्होंने दूर्वादल के समान श्याम शरीर और विशाल हृदय वाले श्रीराम को बैठे हुए देखा। वे श्रीजानकीजी को निहार रहे थे और श्रीलक्ष्मणजी उनके चरण कमलों में सेवा कर रहे थे। भरत पाहि नाथ कहते हुए दण्ड की भांति जमीन पर गिर पड़े और उन्होंने श्रीराम के युगल चरणों को पकड़ लिया। श्रीराम ने प्रेम से अधीर होकर उन्हें गले से लगाया। भरतजी ने श्रीराम से कहा, हे महाभाग! यह समस्त पैतृक राज्य आप ही का है। आप हमारे बड़े भाई हैं, आप हमारे पितातुल्य हैं। आप इस राज को स्वीकार करें और मेरी माता के अपराध को भुलाकर हमारी रक्षा करें।

श्रीराम ने कहा, भाई पिताजी ने मुझे चौदह वर्ष का वनवास और तुम्हें अयोध्या का राज्य दिया है। पिता के आदेश का पालन करना हम दोनों का परम धर्म है। जो मनुष्य पिता के आदेश का उल्लंघन करता है वह जीता हुआ भी मृतक के समान है। अतः तुम अयोध्या का पालन करो और मैं दण्डकारण्य में निवास करूंगा तथा वनवास से लौटने के बाद जैसा तुम चाहोगे वैसा करूंगा। इस तरह विभिन्न प्रकार से समझाकर श्रीराम ने अपनी चरण पादुकाएं श्री भरत जी को सौंप दीं। भरतजी अयोध्या लौट आये और उन पादुकाओं को सिंहासन पर स्थापित कर नंदीग्राम में तपस्वी जीवन व्यतीत करते हुए अयोध्या पर शासन करने लगे।

फूड

हल्द्वानी में एक ऑटो पर मिलता है लजीज चिकन शोरमा

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हल्द्वानी शहर को कुमाऊं का प्रवेश द्वार कहा जाता है। यह शहर अब धीरे-धीरे लजीज जायके की दुनिया में भी अपनी अलग पहचान बना रहा है। शाम होते ही नैनीताल रोड पर फूड वैन मार्केट सज जाती है, तो वहीं इससे इतर शाम होते ही ठंडी सड़क में एक फूड ऑटो आता है और इस ऑटो पर हल्द्वानी का सबसे लजीज चिकन शोरमा मिलता है। इस ऑटो पर शोरमा के शौकीनों की भीड़ देखने को मिलती है। हल्द्वानी में सबसे लजीज चिकन शोरमा किसी महंगे रेस्टोरेंट में नहीं बल्कि एक ऑटो पर मिलता है। इस फूड ऑटो को शोरमा एक्सप्रेस नाम दिया गया है। शोरमा खाने के शौकीनों की भीड़ यहां शाम होते ही लगने लगती है। दूर-दूर से लोग इस फूड ऑटो पर शोरमा खाने आते हैं। फूड ऑटो के मालिक लकी भाई बताते हैं कि वह करीब 3-4 साल से इस जगह पर शोरमा बेच रहे हैं। एक दिन में 150 से ज्यादा स्पेशल शोरमा रोल बेचते हैं। एक रोल की कीमत 50 रुपये रखी गई है। लकी ने आगे कहा कि वह करीब 4 बजे अपना ऑटो लेकर आ जाते हैं। इसके बाद वह शोरमा बनाने की तैयारी करते हैं।हल्द्वानी में नॉनवेज खाने के शौकीन उनका चिकन शोरमा बहुत पसंद करते हैं। कई ग्राहक तो उनके ऐसे हैं, जो शुरूआत से उनके पास आ रहे हैं।

आपको देंगे ग्लैमरस लुक

मेरे गाउन के कलर से मैचिंग बैग नहीं मिल रहा...क्या आप भी इसी तरह मैचिंग बैग को ढूंढ़ती है? अगर हां, तो आइए जानते हैं इस साल के ट्रेंड में रहने वाले हैंडबैग के बारे में। आप इन बैग्स को अपने ड्रेस से मैचिंग करके कैरी कर सकती हैं। इन ट्रेंडिंग बैग को आप ऑफलाइन और ऑनलाइन खरीद सकती हैं। ये आपको खूबसूरत कलर्स और डिजाइन्स में मिलेंगे। इन्हें पार्टी में डेट पर या ऑफिस के दौरान बेझिझक कैरी कर ग्लैमरस दिखा जा सकता है। पाउच बैग को क्लच बैग के नाम से भी जाना जाता है। इसे हाथों में पाउच की तरह कैरी किया जाता है। किसी-किसी पाउच में आपको चेन भी मिलेगी। कॉकटेल पार्टी, डिनर डेट्स और फेस्टिव ओकेजन के लिए ये बैग्स खास हैं। पाउच बैग या पाउच क्लच को कॉकटेल गाउन, इवनिंग ड्रेस, ट्राउजर के अलावा ट्रेडिशनल ड्रेस पर भी कैरी किया जा सकता है। बगैट को आइकॉनिक बैग कहा जाता है। यह 90 के दशक से अब तक अपनी जगह बनाए हुए है। ऐसे बैग आमतौर पर छोटे से मीडियम साइज में मिलते हैं और इनकी नैरो स्ट्रैप होती है। डिनर डेट, ब्रंच और फॉर्मल इवेंट्स के दौरान बगैट को ले जाना न भूलें। हर इवेंट और शादियों में माइक्रो बैग का चलन देखा गया। यह ट्रेंड आपको इस साल भी देखने को मिलेगा। इसे माइक्रो मिनी भी कह सकते हैं। इस साल भी इसका जलवा बरकरार रहेगा। टोट बैग वर्सटाइल बैग के नाम से फेमस है। इसे कहीं पर किसी भी तरह के आउटफिट पर कैरी किया जा सकता है। अकसर सेलेब्रिटीज आपको टोट बैग कैरी किए नजर आएंगे। टोट बैग आपको इस साल भी देखने को मिलेगा।

स्लिंग बैग

स्लिंग बैग का जलवा कई सालों से बरकरार है। इस साल भी स्लिंग बैग फैशन में इन हैं। जो हाफ मून, राउंड, हैक्सागन, ज्योमेट्रिकल, रेक्टैंग्युलर, ट्राएंगल और स्क्वेयर और भी कई दूसरे शेप्स में अवेलेबल हैं। मिनी स्लिंग बैग का भी ट्रेंड आपको इस साल देखने को मिलेगा।

हेल्थ

पहली बार मां बनने जा रहीं महिलाओं को रखना चाहिए इन बातों का ख्याल

किसी भी महिला के जीवन में गर्भावस्था एक बहुत ही अद्भुत और खास समय होता है। वैसे तो मां बनने का एहसास अपने आप में बहुत ही खास है, लेकिन पहली बार मां बनने का अनुभव कुछ अलग ही है। जो भी महिलाएं पहली बार इस चरण का अनुभव कर रही हैं, उनके लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि गर्भावस्था कोई बीमारी नहीं है। इसे एक शारीरिक विस्तार माना जाना चाहिए और जिसमें आपको अपने शरीर और सेहत का अतिरिक्त ख्याल रखने की जरूरत होती है। जैसे-जैसे गर्भावस्था आगे बढ़ती है, आपके शरीर में कई सारे परिवर्तनों होने शुरू हो जाते हैं, जिसके बारे में जानकारी होना अतिआवश्यक है। आपको गर्भावस्था के दौरान किसी भी खतरनाक संकेत को पहचानने में भी सक्षम होना महत्वपूर्ण हो जाता है। गर्भावस्था की पहली तिमाही में महिलाओं को मतली, उल्टी और भूख न लगना आम बात है। मॉर्निंग सिकनेस कई महिलाओं के लिए सामान्य है। इस शुरूआती चरण में कुछ लोगों को थकान, सुस्ती और नींद आना भी आम बात है। ऐसा प्रेगनेंसी हार्मोन के बढ़ने के कारण होता है। आपकी प्रसूति विशेषज्ञ आपको इसके लिए फोलिक एसिड के साथ दवा देंगी। अगर दवा लेने के बावजूद उल्टी गंभीर है, जिसके चलते कोई लिक्विड पदार्थ का सेवन करने में भी आप असमर्थ हैं, तो अपने डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें, जिससे आपको डिहाइड्रेशन से तुरंत निजात मिल सके।

फिटनेस

पूरी बॉडी की फिटनेस के लिए जानें ये खास टिप्स

कैल्शियम की शरीर में जरूरी मात्रा के मौजूद रहने के अलावा व्यायाम भी हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी है। अगर 20 वर्ष की उम्र से व्यायाम करना शुरू कर दें तो दूसरों के मुकाबले हड्डियां अधिक मजबूत होती हैं। हफ्ते में पांच दिन 30 मिनट की एरोबिक्स करें। इसमें सीढ़ी चढ़ना, स्वीमिंग आदि कर सकते हैं।

ऐसा न कर पाने पर डांस कर सकते हैं। यह मन को सुकून देने के साथ हड्डियों व मसल्स को मजबूत बनाता है।

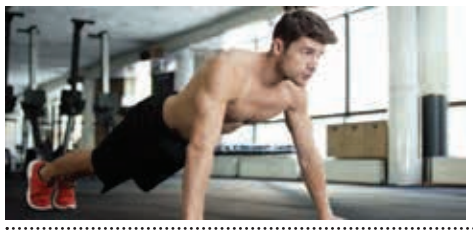

वॉक व जॉगिंग

रोजाना सुबह दौड़ लगाना शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है। इससे वजन नियंत्रित रहने के अलावा हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। रोज क्षमतानुसार कुछ किलोमीटर दौड़ें। वेट लिफ्टिंग : जिम में भारी वजन उठाने से जुड़े व्यायाम से भी हड्डियां मजबूत व शरीर फिट रहता है।

दर्द, थकान रहे तो कराएं जांच बीएमडी यानी बोन मिनरल डेंसिटी टैस्ट से हड्डियों की मजबूती को जांचा जाता है। इसमें डेक्सा मशीन से हड्डियों का घनत्व देखकर ऑस्टियोपोरोसिस का पता लगाते हैं। इसे 45 वर्ष से अधिक उम्र वाले, मेनोपॉज के बाद महिलाओं को, कम उम्र में गर्भाशय निकलवा चुकी महिलाएं व अक्सर हड्डियों में दर्द रहने और जल्दी थकान होने की स्थिति में विशेषज्ञ कराने की सलाह देते हैं।

ब्यूटी

होली के दिन जरूर लगाते हैं उबटन

जानें इससे मिलने वाले फायदे

होली का इंतजार हर किसी को साल भर रहता है। इस साल होली का त्योहार 8 मार्च को मनाया जाएगा, जिसकी तैयारी बड़ी धूम-धाम से चल रही है। होली को लेकर तरह-तरह की मान्यताएं हैं, जिन्हें हिंदू धर्म में काफी माना जाता है। इन्हीं में एक मान्यता ये भी है कि होलिका दहन की रात को सरसों का उबटन बनाकर लगाने से शरीर रोग मुक्त होता है। इससे चेहरे पर ग्लो भी आता है। सरसों के उबटन लगाने की धार्मिक मान्यता तो है ही, साथ ही में इसके इस्तेमाल से शरीर की कई परेशानियों से छुटकारा मिलता है। अगर आप भी होलिका दहन के समय सरसों का उबटन करने का सोच रहे हैं तो इससे पहले इसके फायदे जान लीजिए।

सरसों की मदद से ना सिर्फ स्किन को डीप क्लीन किया जा सकता है, बल्कि साथ में इससे त्वचा को हाइड्रेटेड रखा जाता है। तो आइए देर ना करते हुए आपको सरसों से उबटन करने का सही तरीका और इसके फायदे बताते हैं। चेहरे और हाथ-पैरों पर सरसों का उबटन लगाने से त्वचा हेल्दी और चमकदार बन जाती है। सरसों के छोटे-छोटे दानों में एंटी फंगल गुण होता है। जो मुहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया का सफाया करता है। इससे चेहरा एक दम साफ हो जाता है। सरसों में मौजूद विटामिन और एंटी-बैक्टीरियल तत्व आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखते हैं। जिससे स्किन से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं। सरसों की मदद से आप अपने चेहरे को स्क्रब कर सकती हैं। इससे आपकी स्किन की डीप क्लीनिंग हो जाएगी। ये आपकी त्वचा को डीप मॉइश्चराइज भी करती है। त्वचा पर पड़ने वाली खतरनाक यूवी किरणों से भी सरसों बचाव करती है।

ऐसे तैयार करें उबटन

होलिका दहन के समय सरसों का उबटन बनाने के लिए आप सबसे पहले सरसों के दानों को शहद, दही, नींबू का रस और कॉर्नफ्लोर मिलाकर पीस लें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर तकरीबन 20 मिनट के लिए लगाएं। जब ये सूख जाए तो हल्के हाथों से मसाज करते हुए इसे छुड़ाएं। अगर ये ज्यादा सूख गया हो तो हाथ में हल्का का सरसों का तेल लें। इससे आपके चेहरे की स्क्रबिंग भी हो जाएगी।

होली के त्योहार नजदीक है। ऐसे में घर की सजावट और होली की तैयारियों के साथ ही खुद के बारे में भी सोचना आवश्यक है। केवल स्वादिष्ट भोजन और घर की साज-सज्जा से आपकी होली पार्टी कम्पलीट नहीं होगी, जबतक आप खुद को सही तरह से स्टाइल नहीं करतीं। होली का त्योहार वसंत महीने में आता है, जिसका मतबल है गर्मी के मौसम की शुरूआत होना। ऐसे में आपको अपने वॉर्डरोब के लिए भी कुछ फ्रेश आइटम्स की जरूरत पड़ती है। ज्यादातर लोगों को होली के लिए कम्फर्टेबल और लाइट आउटफिट चुनना पसंद होता है, जिसकी सबसे बड़ी वजह है मौसम। इस मौसम के लिए कुर्ता और कुछ एथनिक आउटफिट परफेक्ट ऑप्शन होते हैं, जो आपको आदर्श होली लुक देने में मदद करते हैं। इसके अलावा कुछ लाइट वेट साड़िया और इंडोवेस्टर्न के मिश्रण भी आपको होली के लिए काफी अच्छी तरह से सजा सकते हैं। विभिन्न रंगों, प्रिंट और पैटर्न में उपलब्ध कुर्ती, साड़ियां और शरारा सेट जैसे कई ऑप्शन हम आपको दिखाने जा रहे हैं, जो बॉलीवुड सेलेब्स ने अलग-अलग मौकों पर कैरी किए हैं। इनसे इंस्पिरेशन लेकर आप खुद के लिए कुछ खास तैयार कर सकती हैं।

होली पर क्या पहनें और कैसे हों तैयार? आपके इन सवालों का यहां है जवाब

होली पर क्या पहनें और कैसे हों तैयार? आपके इन सवालों का यहां है जवाब

होली का त्योहार नजदीक है। ऐसे में घर की सजावट और होली की तैयारियों के साथ ही खुद के बारे में भी सोचना आवश्यक है। केवल स्वादिष्ट भोजन और घर की साज-सज्जा से आपकी होली पार्टी कम्पलीट नहीं होगी, जबतक आप खुद को सही तरह से स्टाइल नहीं करतीं। होली का त्योहार वसंत महीने में आता है, जिसका मतबल है गर्मी के मौसम की शुरूआत होना। ऐसे में आपको अपने वॉर्डरोब के लिए भी कुछ फ्रेश आइटम्स की जरूरत पड़ती है। ज्यादातर लोगों को होली के लिए कम्फर्टेबल और लाइट आउटफिट चुनना पसंद होता है, जिसकी सबसे बड़ी वजह है मौसम। इस मौसम के लिए कुर्ता और कुछ एथनिक आउटफिट परफेक्ट ऑप्शन होते हैं, जो आपको आदर्श होली लुक देने में मदद करते हैं। इसके अलावा कुछ लाइट वेट साड़िया और इंडोवेस्टर्न के मिश्रण भी आपको होली के लिए काफी अच्छी तरह से सजा सकते हैं। विभिन्न रंगों, प्रिंट और पैटर्न में उपलब्ध कुर्ती, साड़ियां और शरारा सेट जैसे कई ऑप्शन हम आपको दिखाने जा रहे हैं, जो बॉलीवुड सेलेब्स ने अलग-अलग मौकों पर कैरी किए हैं। इनसे इंस्पिरेशन लेकर आप खुद के लिए कुछ खास तैयार कर सकती हैं।

कम बजट में इन जगहों पर करें अपना हनीमून प्लॉन

शादी के बाद हनीमून पर तो हर कपल जाना चाहता है। लेकिन शादी के खर्चों के बाद हनीमून का खर्चा उठाना अक्सर काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप अपने बजट में रहकर ही सही जगह का चयन करें। भले ही आप पहले से ही बहुत अधिक वित्तीय खर्चों का बोझ उठा चुके हैं, लेकिन हनीमून एक ऐसा समय होता है, जब कपल एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। इसलिए यह भी उतना ही अहम है। लेकिन हनीमून प्लॉन करना भी एक समझदारी भरा निर्णय होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप कम बजट में भी अपना हनीमून प्लॉन कर सकते हैं-

शिमला

जब भारत में बजट हनीमून डेस्टिनेशन की बात की जाती है, तो यकीनन इसमें शिमला को अवश्य शामिल किया जाना चाहिए। यह एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ आइस स्केटिंग से लेकर पैराग्लाइडिंग जैसी एक्टिविटीज का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा, आप यहां पर कुछ अच्छी तस्वीरें क्लिक करके अपने हनीमून की हर पल की यादों को कैद कर लें। आप साल में कभी भी शिमला की यात्रा कर सकते हैं। हर मौसम की अपनी एक अलग खूबसूरती होती है।

ऊटी-नीलगिरी, हरे-भरे चाय के बागान और घुमावदार सड़कों से युक्त ऊटी एक बेहद ही खूबसूरत हिल स्टेशन है। भारत में सबसे अच्छे किफायती हनीमून प्लेसेस में से एक, ऊटी में आपको प्रकृति के करीब रहने का अहसास होगा। आप यहां पर बॉटनिकल गार्डन, ऊटी झील और चाय बागानों का दौरा कर सकते हैं।

गोवा को भारत में एक बेहतरीन हॉलिडे डेस्टिनेशन माना गया है। यह कपल्स के घूमने के लिए भी एक बेहतरीन जगह है। आप गोवा में ना केवल अपने पार्टनर के साथ बीच पर मस्ती कर सकते हैं, बल्कि कुछ वाटर स्पोर्ट्स का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके अलावा, यहां पर कई चर्च हैं, जो आपको बेहद ही रिलैक्सिंग फील करवाते हैं। गोवा में आप एक स्कूटी किराए पर लें और अपने पार्टनर के साथ घूमने निकल जाएं।